सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 325 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 8 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

गणेश चतुर्थी पर खूनी संघर्ष, डीजे पर डांस को लेकर विवाद में तीन युवकों की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में गणेश चतुर्थी पर पंडाल में खूनी संघर्ष हो गया। डीजे पर डांस को लेकर हुए विवाद के बाद दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडा व चाकू चले। इस घटना में तीन भाइयों की हत्या कर दी गई। खूनी संघर्ष के कारण खुशी मा माहौल मातम में बदल गया। देर रात हंगामे की स्थिति बन गई। सूचना के बाद एसपी जितेन्द्र शुक्ला के साथ आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घटना के बाद पुलिस ने इस मामले में 8 युवकों को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटन नंदिनी थाना क्षेत्र के नंदिनी खुंदिनी गांव का है। गणेश चतुर्थी के एक दिन पहले 6 सितंबर को शीतल गणेश समिति के युवकों के मूर्ति लाने के समय डीजे पर नाचने को लेकर विवाद हुआ था। रात 8 बजे के आसपास डीजे पर डांस को लेकर धन्नु, करन, वासु, राजेश और इनके अन्य साथी नाचने लगे जिसे लेकर विवाद हुआ था। दूसरे दिन गणेश चतुर्थी के दिन सुबह गांव के बड़े बुजुर्गों ने बैठक कर विवाद ख़त्म कर लिया था। इसके बाद लगा कि विवाद खत्म हो गया। इसके शनिवार रात लगभग आठ बजे वासु यादव ने आकाश पटेल फोन कर कहा कि शीतला मंदिर के पास आ जाना। जहां पर आकाश के पहुंचते ही धन्नु यादव ने मार पीट शुरू कर दी। उसके साथ करन, वासु, राजेश यादव भी आकाश को मारने लगे। इस दौरान आकाश के साथ के अन्य 8 से 10 लोग और आ गए और मिलकर धन्नु, करन, वासु, और राजेश यादव को लाठी डण्डे, हाथ मुक्के आदि से बुरी तरह पिटाई कर दी। गंभीर चोट से करन यादव, वासु यादव, राजेश यादव की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

पुलिस ने दी लोगों को समझाइश

एसडीओपी संजय पुण्डीर ने बताया कि इस मामले में नंदिनी पुलिस ने आठ संदिग्धों को चिह्नांकित कर अभिरक्षा में लिया है। आकाश पटेल को उपचार के लिए हॉस्पिटलाइज़ किया गया है। धन्नु यादव को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। एसपी ने बताया कि देर रात ग्रामीण आक्रोशित थे लेकिन पुलिस ने व्यवस्था संभाली और लोगों को समझाइश दी। फिलहाल नंदिनी खुंदनी में कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

गांव में तनाव का माहौल

इस घटना के बाद गांव के लोग इतने आक्रोशित हो गए थे कि उन्होंने देर रात नंदिनी थाने का घेराव कर दिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन की विफलता को लेकर आरोप लगाया और जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्होंने थाना प्रभारी को विवाद की जानकारी दी थी, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। पुलिस मौके पर तब पहुंची जब तीन की मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे गांव में तनाव का माहौल बन गया। बवाल बढ़ने के बाद पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, एएसपी ग्रामीण वेदव्रत सिरमौर, एसडीओपी संजय पुण्डीर दल बल के साथ मौके पर पहुंचे।

खास-खबर

जम्मू-कश्मीर चुनावः भाजपा ने जारी की एक और लिस्ट

जम्मू (एजेंसी)। आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में छह उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है।

इस लिस्ट में आरएस पठानिया उधमपुर पूर्व से और नसीर अहमद लोन बांदीपोरा से चुनाव लड़ेंगे। करनाह सीट से मो. इदरीस करनाही को टिकट मिला है। हंदवाड़ा सीट से गुलाम मोहम्मद मीर पार्टी के प्रत्याशी होंगे। गुरेज सीट से फकीर मोहम्मद खान लड़ेंगे। सोनावारी विधानसभा सीट से अब्दुल रशीद खान मैदान में होंगे। कठुआ सीट से डॉ. भरत भूषण चुनाव मैदान में होंगे, बिश्नाह से राजीव भगत को टिकट मिला है। मढ़ से सुरिंदर भगत को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। बाहु सीट से पार्टी ने विक्रम रंधावा को टिकट दिया है। इस बार भाजपा ने जम्मू कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को टिकट नहीं दिया है।

मानसून हुआ सक्रिय, कई जिलों में बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी तीन दिनों के दौरान कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। साथ ही आने वाले तीन दिनों में सक्रिय मानसून की गतिविधियां जारी रहेगी। इसके प्रभाव से प्रदेश में अच्छी बारिश के आसार हैं। बीते दिनों शनिवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में आगामी तीन दिनों तक सक्रिय मानसून की गतिविधियां जारी रहेगी। साथ ही आगामी तीन दिनों में प्रदेश के एक-दो जगह पर भारी बारिश होने की संभावना है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश के आसार हैं। कई जगहों पर गरज चमक के साथ वज्रपात की भी संभावना है। इन दिनों मानसून तंत्र सक्रिय है। इसके प्रभाव से प्रदेश में बारिश हो रही है। बस्तर संभाग के अधिकांश जगहों पर गरज चमक के साथ भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही कई जिलों में हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और सरगुजा संभाग में हल्की मध्यम बारिश के आसार हैं।

बीएड-डीएलएड के लिए 11 सितंबर तक होंगे रजिस्ट्रेशन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीएड और डीएलएड में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन जारी है। अभ्यर्थी 11 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन का काम पूरा होने के बाद मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। जिसके बाद मेरिट लिस्ट के लिए दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की तरफ जारी शेड्यूल के अनुसार, अभ्यर्थी 16 से 18 सितंबर तक आपत्ति दर्ज करा सकेंगे।

अभ्यर्थियों को 16 से 18 सितंबर तक आपत्ति दर्ज कराने की समय सीमा दी गई है। इसके बाद आपत्तियों का निराकरण करने के बाद 19 सितंबर को पहली सूची जारी की जाएगी। इसी लिस्ट के आधार पर 24 सितंबर तक प्रवेश होंगे। प्रदेश के 150 कॉलेजों में बीएड और 91 कॉलेजों में डीएलएड की पढ़ाई हो रही है। बीएड, डीएलएड, बीए बीएड और बीएससी बीएड में प्रवेश दो चरणों में होंगे। 25 सितंबर को रिक्त सीटों की सूची जारी की जाएगी। प्रथम चरण की दूसरी सूची दावा आपत्ति के लिए 26 सितंबर को जारी की जाएगी। 27 सितंबर तक दावा आपत्ति स्वीकार की जाएगी। पत्तियों का निराकरण करने के बाद 30 सितंबर को दूसरी प्रवेश सूची जारी की जाएगी। इसके तहत सात अक्टूबर तक प्रवेश दिए जाएंगे।

दुर्ग के फार्म हाउस में नकली शराब की फैक्ट्री

शराब बनाने के बाद क्वालिटी भी करता था चेक

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में पुलिस ने सरकारी शराब जैसी दिखने वाली नकली देशी शराब बनाने का खुलासा किया है। इस शराब को आस-पास के गांवों में खपाया करते थे। पुलिस ने मिर्ज़ा वारिश बेग के घर में दबिश देकर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला गंडई थाना क्षेत्र के ग्राम नर्मदा का है।

खैरागढ़ एसपी त्रिलोक बंसल ने बताया कि, आरोपी नरसिंह वर्मा और आशीष मंडावी की पहचान जेल में हुई। जेल से छूटने के बाद दोनों ने पैसे कमाने के लालच में नकली शराब की फैक्ट्री खोल लिया। स्प्रिट, पानी और कुछ केमिकल से शराब बनाने की जिम्मेदारी नरसिंह वर्मा ने ली। नकली स्टिकर नागपुर से आशीष लाया करता था।

आरोपियों ने नकली शराब की फैक्ट्री दुर्ग के धमधा स्थित रौंदा गांव के एक फार्म हाउस में बनाया था। जिसके बाद नकली देशी शराब बनाने का खेल शुरू हुआ। गिरोह के बाकी सदस्य सरकारी शराब की खाली बोतले जमा करते थे। इधर नरसिंह वर्मा स्प्रिट से नकली शराब बनाता और हूबहू असली जैसा स्वाद रहे।

इसके लिए खुद पीकर उसकी क्वालिटी देखता था। नागपुर से आए नकली लेबल और ढक्कन से नकली शराब असली लगने लगता था। जिसके बाद गिरोह के बाकी मेंबर उसे आसपास के इलाके में बेच दिया करते थे। सातों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। नकली लेबल और ढक्कन उपलब्ध कराने वाले बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

मगध एक्सप्रेस ट्रेन दो हिस्सों में बंटी

आरा (एजेंसी)। बक्सर के रेल हादसा हुआ है। टुनिगंज रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से आ रही मगध एक्सप्रेस ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। चलती ट्रेन के दो हिस्सों में बंटने से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इधर, लोको पायलट ने फौरन ट्रेन रोकी। इधर, सूचना मिलते रेलवे की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। अबतक किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

बताया जा रहा है कि 20802 डाउन मगध एक्सप्रेस नई दिल्ली से चलकर पटना जा रही थी। डुमराव रेलवे स्टेशन से खुलकर जैसे ही टुनिगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंची कि अचानक ट्रेन की कपलिंग टूट गई। इस कारण ऐसा हुआ।

इधर, इस मामले पर पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर डिविजन की ओर से कहा गया कि 20802 डाउन मगध एक्सप्रेस (एनडीएलएस-आईपीआर) रविवार सुबह 11.07 बजे टीडब्ल्यूजी (ट्विनीगंज) से गुजरी थी। कुछ दूर आगे जाते ही ट्रेन इंजन से कोच संख्या-एसईआर-192158-(एस-7) 13वें और एसईआर-182333- के बीच की कपलिंग टूट गई। इस कारण ट्रेन इंजन से कुछ बोगियां अलग ही गईं अनकपल हो गई। घटना के तुरंत बाद यानी 11.08 बजे डीएन लाइन में सूचना दी गई। रेलवे की टीम ट्रेन के परिचालन की दिशा में काम कर रही है। जल्दी ही दुरुस्त कर दिया जाएगा।

यात्रियों के बीच मची अफरा-तफरी

पुलिस के हत्थे चढ़ा गूंगा किलर, दो महिलाओं की हत्या कर काट रहा था फरारी

2020 और 2023 में की थी दो महिलाओं की हत्या, आरोपी को पकड़ने पुलिस ने लिया साइन लैंग्वेज का सहारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले के लवन थाना क्षेत्र चार साल व एक साल पुराने अलग अलग दो हत्याओं के मामले में पुलिस ने गूंगे साइको किलर को दबोचा है। आरोपी दो महिलाओं की हत्या के बाद गांव में बेखौफहोकर रह रहा था। आरोपी तक पहुंचने में पुलिस को पूरे चार साल से ज्यादा का समय लग गया। गूंगे किलर तक पहुंचने के बाद साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट से पूछताछ कर पुलिस ने आरोपी को दबोचा है। आरोपी का नाम 32 वर्षीय तेजराम उर्फकोंदा निवासी ग्राम भालुकोना है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

हत्या का पहला मामला मई 2020 का है। भालूकोना गांव के रहने वाले रामायण पटेल ने 29 मई 20 को लवन थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया, कि मेरी भतीजी अनुपम बाई अपने घर में अकेली रहती थी। जिसका शव महानदी किनारे पेड़ के डंगाल में लटकी पड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची तो देखा की एक महिला का शव पेड़ में लटका हुआ था। घटनास्थल पर मृतक महिला के कपड़े बिखरे हुए थे और सिर पर काफी चोट लगा था। मृतक महिला का शव पूरी तरीके से खून से लथपथ था।पास में ही खून लगी सूखी लकड़ी भी पड़ी मिली, जिससे संदेह हो रहा था की किसी व्यक्ति ने लकड़ी से मारकर शव को पेड़ में लटका दिया गया है। इसके बाद पुलिस सबूतों को इकठ्ठा करके मामले की जांच में जुट गई।

मंदिर के पास तालाब किनारे मिली थी दूसरी लाश

दूसरी घटना 13 मार्च 2023 की है। भालूकोना गांव के रहने वाले किशन यादव ने लवन थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि गांव के पनखट्टी तालाब पार मंदिर के पास गौरी बाई यादव उम्र 56 साल का शव पड़ा हुआ है। जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर घटनास्थल पहुंची। जिसके बाद घटनास्थल की जांच करने पर पता चला की मृतिका घर में अकेली रहती थी। मृतिका के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें थी और वह खून से लथपथ पड़ी हुई थी। साथ ही शव को घसीटने का निशान दिखाई दे रहा था। इस दौरान घटनास्थल में मिले सभी सबूतों खून लगा लकड़ी का टुकड़ा और हंसिया को पुलिस ने अपने कब्जें में लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया था।

साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट के जरिए की गई पूछताछ

इस पूरी घटना के बाद पुलिस ने गांव के लोगों से सिलसिलेवार पूछताछ करना शुरू किया। इस दौरान दोनों महिलाओं के रहन-सहन और दैनिक दिनचर्या का भी अध्ययन किया गया। इसी क्रम में घटनाक्रम के पास मिले सबूतों के आधार पर हत्याकांड में गांव के ही एक संदेही तेजराम उर्फकोंदा का नाम सामने आया। जिसके बाद संदेही को हिरासत में लेकर साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट की मदद से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ किया गया। जिसके बाद पता चला की आरोपी ने एक सीरियल किलर की तरह दोनों महिलाओं की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी निशानदेही पर हत्या में उपयोग किए गए पत्थर और अन्य हथियार भी बरामद किया। पुलिस ने दो महिलाओं की हत्या करने वाले आरोपी को चार साल बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एक बेगुनाह को बचाने की खातिर

श्रीकंचनपथ

न्याय का सिद्धांत है कि भले कसूरवार छूट जाएं पर किसी बेकसूर को सजा नहीं होनी चाहिए। इसलिए अदालतों में किसी दोषी को तभी सजा होती है जब उसे तमाम संदेहों से परे दोषी साबित कर दिया जाए। इसमें पुलिस, गवाह और अधिवक्ताओं की बहुत बड़ी भूमिका है। कभी अपराधी संदेह का लाभ पाकर बरी हो जाता है तो कभी बेगुनाह को बेगुनाह साबित करने तक उसकी पूरी उम्र बीत जाती है। लेकिन जनता का मानना है कि कानून को किसी दोषी को छोड़ना भी नहीं चाहिए। अगर सौ दोषी छूट जाएं, तो कानून पर विश्वास ही कौन करेगा। शायद इसीलिए अब देश शरिया कानून जैसा सख्त कानून चाहता है जो अपराधियों को तत्काल दंडित करने में सक्षम हो। पंचतंत्र की कहानियां भी बताती हैं कि कोई-कोई राजा किस तरह चुटकियों में न्याय करता था। ऐसे राजाओं को बड़ा मान मिला और वो अब भी इतिहास का हिस्सा हैं। दरअसल, देश की पूरी न्याय प्रणाली प्रोफेशनल हो चुकी है। कुछ अधिवक्ताओं का कद तो इतना बड़ा हो चुका है कि जज भी उनसे नहीं उलझना चाहते। अधिकांश मामले प्रक्रिया में फंस जाते हैं। अब कल की ही बात है कि कोलकाता उच्च न्यायालय को यह तल्ख टिप्पणी करनी पड़ी कि क्या एक तरफा फैसला लेते हुए आरजे कर अस्पताल कांड के आरोपी को जमानत दे दी जाए। दरअसल, शुक्रवार शाम 4.20 पर कोर्ट की कार्यवाही शुरू हुई। आरोपी संजय की वकील कविता ने दलीलें दी। लेकिन सरकारी वकील दीपक पोरिया कोर्ट नहीं पहुंचे। सुनवाई के दौरान सीबीआई के जांच अधिकारी भी कोर्ट में गैरहाजिर रहे। इस हाईप्रोफाइल केस का यह हाल है तो बाकी केसों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। आज की तारीख में सर्वोच्च न्यायालय में दिसम्बर 2023 तक 80 हजार मामले लंबित थे। देश के 25 उच्च न्यायालयों में 58 लाख 59 हजार मामले लंबित हैं। ये आंकड़े नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड की रिपोर्ट से लिये गये हैं। इससे जुड़े ये आंकड़े भी विचलित करते हैं कि 31 दिसंबर 2022 तक भारत की विभिन्न जेलों में 5,73,220 कैदी थे। इनमें से 4,34,302 विचाराधीन कैदी थे, जो कुल जेलों की आबादी का 75.08 प्रतिशत है। 2022 में देश भर में कुल कैदियों में से 23.3 प्रतिशत को दोषी ठहराया गया। विचाराधीन कैदियों में से 52.1 प्रतिशत जिला जेलों में बंद थे। केंद्रीय जेलों में भी उनकी हिस्सेदारी 35.8 प्रतिशत थी। शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि जमानत एक नियम है जबकि जेल एक अपवाद। सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी पीएमएल कानून के तहत बंदी बनाए जाने के मामले में आई थी। इसके लिए जरूरी है कि कानून का दृष्टिकोण राजनीतिक न हो। कानून न तो तुष्टिकरण के लिए बनें और न वोट बैंक के लिए। कानून युक्तिसंगत हो। नए कानूनों की बजाय जोर कानून की उन सुराखों को बंद करने पर हो जिसका लाभ लेकर समर्थ अपराधी समूची न्याय प्रणाली को ठेंगा दिखाते हैं।

संपादकीय

विशेष प्रदर्शन

पदकों की बरसात अभी रुकी नहीं है। पेरिस में चल रहे पैरालंपिक से जो खबरें आ रही हैं, वे हैरत में डालने वाली तो हैं ही, साथ ही गर्व से भर देने वाली भी हैं। इसमें इतने पदक मिले हैं, जितने भारत की झोली में इसके पहले कभी नहीं गिरे थे। मामला देश के दिव्यांग खिलाड़ियों द्वारा नए रिकॉर्ड बनाने का ही नहीं है, पेरिस पैरालंपिक की पदक तालिका दरअसल भारत के बदलते समाज और उसके नजरिये की कहानी भी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस उपलब्धि से अभिभूत हैं। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से टेलीफोन पर बातचीत में उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धि पूरे देश के नौजवानों को प्रेरित करेगी। इसमें हम यह भी जोड़ सकते हैं कि यह उपलब्धि पूरे देश को एक नया आत्मविश्वास देगी, जिसकी इस समय सबसे ज्यादा जरूरत है।

> “अंग्रेजी भाषा में दिव्यांगों के लिए पहले डिसेबल या अक्षम शब्द का इस्तेमाल होता था। अब यह शब्दावली बदल दी गई है, इसकी जगह लिखा जाता है– स्पेशली एबल्ड पर्सन, यानी विशेष क्षमता वाले व्यक्ति। सचमुच पेरिस पैरालंपिक में गए भारतीय खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि वे विशेष क्षमता वाले खिलाड़ी हैं। वे उस धरती से पेरिस गए थे, जहां खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर, यानी बुनियादी ढांचा न होने का रोना अक्सर रोया जाता है।

जहां किसी भी ओलंपिक खेल या अंतरराष्ट्रीय स्पर्द्धा के बाद लिखे जाने वाले वैचारिक लेखों की अंतिम पंक्तियां इसी त्रासदी की ओर इशारा करती हैं। यह दर्द भी सुनाई देता है कि क्रिकेट के अलावा किसी और खेल पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा। ठीक उसी दौर में ये खिलाड़ी पेरिस जाते हैं और तकरीबन हर रोज ही एक साथ ही कई पदक जीतने की खबर आती है। वे हर खेल में जीतते हैं– निशानेबाजी में, तीरंदाजी में, भारोत्तोलन में, भाला फेंकने में, लंबी कूद में, ऊंची कूद में, जूडो में– यह फेहरिस्त लंबी है। महिला खिलाड़ी भी जीतती हैं और पुरुष खिलाड़ी भी जीतते हैं।

पेरिस के पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक पांच स्वर्ण पदक समेत कुल 25 पदक जीत लिए हैं और वे तालिका में 17वें स्थान पर हैं। कोई चाहे, तो इसे भी संतोषजनक नहीं मान सकता है, क्योंकि अंततः भारत जैसे देश को पदक तालिका में और ऊपर जाना ही होगा। मगर इस पदक तालिका में खास चीज वह प्रगति है, जो भारतीय खिलाड़ियों ने 2020 के टोकियो पैरालंपिक से पेरिस के पैरालंपिक में की है। तब भारत को कुल 19 पदक मिले थे और वह 24वें स्थान पर था। यानी, चार साल में ही भारत ने छह स्थान की छलांग लगाई है, जो 2024 की उपलब्धि की सबसे बड़ी बात है। अब जरा इसकी तालिका की तुलना कुछ ही हफ्तों पहले हुए पेरिस ओलंपिक से करते हैं। वहां भारत ने कुल छह पदक जीते थे और उसका स्थान 71वां रहा था। भारत का प्रदर्शन उसके पिछले ओलंपिक के मुकाबले अच्छा नहीं था। तब भारत ने एक स्वर्ण समेत कुल सात पदक जीते थे और उसका स्थान 48वां था। यानी, एक ही ओलंपिक में 23 स्थान की गिरावट। भारत के विशेष योग्यता वाले खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार चमक रहा है, वे ज्यादा जीत दर्ज कर रहे हैं, ज्यादा पदक हासिल कर रहे हैं, लेकिन क्यों सामान्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन इस गति से कदम नहीं मिला पा रहा? यह ऐसा सवाल है, जिस पर खेल संघों को गंभीरता से सोचना होगा।

तानाशाही की झलक

ओमप्रकाश मेहता

भारत की आजादी के बाद से अब तक राष्टीय स्वयं सेवक संघ कई विवादस्पद दौरों से गुजरा है, जिसके तहत् इस संगठन को प्रतिबंधात्मक दायरे से भी गुजरना पड़ा है। खैर, वह सब कांग्रेसी शासन कालों के दौरान हुआ, किंतु आज जबकि पिछले एक दशक से केन्द्र में संघ समर्थक भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, तो संघ का दबी जुबान आरोप है कि संघ को सताने की स्पर्द्धा में मोदी सरकार ने कांग्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है और इस त्रासदी का मुख्य आधार प्रधानमंत्री व उनकी अपनी टोली द्वारा संघ की उपेक्षा है, अपनी इस त्रासदी का जिक्र करने के लिए केरल में संघ ने अपनी तीन दिवसीय समन्वय बैठक बुलाई जिसमें सभी उपस्थिततों को संघ प्रमुख की बातों पर गौर कर निर्णय लेने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन भाजपा संगठन के प्रमुख जगत प्रकाश नड्डा ने अचानक वहां पहुंच कर, ‘‘मीडिया मैनेंज’’ कर अपनी आवाज को बुलंदगी के साथ पेश किया और बैचारे संघ प्रमुख की आवाज के साथ उनके प्रयासों पर पानी फैर दिया।

संघ की पिछले कुछ दिनों की भूमिका को देखकर प्रधानमंत्री व उनके सहयोगी सतर्क हो गए थे और उन्होंने इसी रणनीति के तहत् भाजपाध्यक्ष को संघ की केरल बैठक में भेजकर यह सब किया। वर्ना संघ के इस सम्मेलन के पहले दिन जो संघ प्रमुख ने तेवर दिखाए थे, वे ही तेवर यदि तीनों दिन पूरे सम्मेलन में जारी रहते तो वह भाजपा सत्ता व संगठन के लिए ठीक संकेत नही होते, इसीलिए मीडिया को मैनेज कर भाजपा प्रमुख की बात को जोर-शोर से उठाया गया और संघ प्रमुख की बातों को दबा दिया गया।

देश में अब तक कायम हुई भाजपा या पूर्व जनता पार्टी की सरकारों में यह पहली बार हो रहा है, जब संघ अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहा है, इससे पूर्व अटल जी के प्रधानमं.त्रित्व काल में भी अटल-अड़वानी ने संघ को प्रमुख माना था तथा ये नेता समय-समय पर संघ पदाधिकारियों से सलाह-मशवरा करते रहते थे, किंतु अब संघ को शायद भाजपा सरकार के चलते पहली बार उपेक्षा के दौर से गुजरना पड़ रहा है। इसीलिए अब वह जमाना लद गया, जब सत्ता प्रमुख संगठन प्रमुख से मिलने या मशवरे के लिए जाया करता था, आज तो स्थिति यह है कि संघ प्रमुख प्रधानमंत्री से भेंट का समय मांगते है और वह भी कई दिनों तक नही मिल पाता, इसीलिए अब संघ ने भी दबी जुबान मोदी व उनकी सरकार पर सख्त टिप्पणियां शुरू कर दी है।

संघ ही नही अब तो भाजपा के वरिष्ठ नेता भी दबी जुबान यह कहने में कोताही नही बरतते कि मोदी जी अब बहुत बदल गए है, अब वे 2014 वाले मोदी जी नही रहे और इसी मसले को लेकर सत्तारूढ़ दल व उसके जनक संगठन (संघ) में अच्छी-खासी चर्चा है, जो मोदी जी के चौथे कार्यकाल के लिए शुभ नही मानी जा रही, संघ-भाजपा तथा उसके संगी-साथी मोदी जी के उन तैवरों को ‘‘तानाशाही की झलक’’ बता रहे है, यह स्थिति भाजपा में सिर्फ केन्द्र तक ही सीमित नही है, बल्कि भाजपा शासित राज्यों के सत्ता संगठनों में भी इसकी झलक देखने को मिल रही है। इस स्थिति को लेकर भाजपा के हितचिंतकों व सहयोगियों में भी अच्छी खासी चिंता है व इस स्थिति में भविष्य को लेकर बैचेनी है। इस प्रकार भाजपाध्यक्ष ने संघ के केरल सम्मेलन में पहुंच कर चाहे संघ का गुस्सा शांत करने का प्रयास किया हो, किंतु अब जब यह गुस्सा देश के जिलों व तहसील स्तर तक पहुंचने की तैयारी कर रहा है, तब नड्डा जी कहां-कहां अपनी सफाई पेश करने जायेगें?

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

धनकुबेरों का नया गढ़ बनता भारत

वर्ष 2023 एक विकट साल था। खासकर आर्थिक मोर्चे पर तो यह पूरा साल भारी ऊहापोह वाला रहा। एक तरफ यह उम्मीद थी कि कोरोना जैसी महामारी से निकलकर अर्थव्यवस्था मजबूत होकर उभरेगी, तो दूसरी ओर यह आशंका भी थी कि सुधरते-सुधरते कहीं सब कुछ फिर पटरी से उतर न जाए।

आलोक जोशी

मगर आज अगर कोई आपसे कहे कि बीते साल हर पांच दिन में भारत में एक नया अरबपति बन रहा था, तो कैसा लगेगा? एकबारगी शायद यकीन ही न हो। मगर धनकुबेरों की गिनती और एक-दूसरे के मुकाबले उनकी हैसियत बताने वाली हुरुन इंडिया रिच लिस्ट (धनाढ्य सूची) बताती है कि गौतम अडाणी और उनका परिवार एक बार फिर मुकेश अंबानी परिवार को पीछे छोड़ पहले पायदान पर पहुंच गया है। हिंडनबर्ग कांड से तगड़ा झटका खाने के बाद अडाणी की संपत्ति में 95 फीसदी का उछाल दर्ज हुआ और इस लिस्ट के जारी होने तक उनकी कुल संपत्ति 11,61,800 करोड़ रुपये पर पहुंच चुकी है। दूसरे नंबर पर मुकेश अंबानी के परिवार की संपत्ति में भी साल 2023 में करीब 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उनकी संपत्ति थी 10,14,700 करोड़ रुपये।

ध्यान रखना चाहिए कि यह अरबपतियों की सूची है। एक वक्त था कि भारत में लखपति या करोड़पति होना ही बड़ी बात होती थी, लेकिन इस साल हुरुन रिपोर्ट में कुल 1,539 नाम हैं, जिनकी कुल हैसियत एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह गिनती पिछले साल से 220 ज्यादा है, लेकिन कुल 272 ऐसे लोग हैं, जिन्हें पहली बार इस सूची में जगह मिली है। उल्लेखनीय यह भी है कि इस सूची में सिर्फ भारत के अमीर शामिल नहीं हैं, बल्कि इसमें दुनिया भर में बसे भारतीय अमीरों की संपत्ति का हिसाब जोड़ा गया है। मगर सबसे बड़ी बात तो डॉलरों में एक अरब से ज्यादा जुटाने वालों की ही है और इस बार की लिस्ट में ऐसे 334 नाम हैं, यानी पिछले साल से 29 प्रतिशत ज्यादा। यह बात इसलिए और खास हो जाती है कि अब भारत एशिया में धनकुबेरों का नया गढ़ बनकर उभर रहा है।

जिस दौरान भारत में अरबपतियों की गिनती में 29 फीसदी की बढ़त हुई है, उसी दौरान चीन में यह गिनती 25 फीसदी गिर गई है। इसी का असर है कि एशिया में अरबपतियों की नई राजधानी अब मुंबई है। पिछले साल भर में मुंबई में अरबपतियों की गिनती में 58 नए नाम जुड़े हैं, जबकि यह सूची बनाने वाले बता रहे हैं कि इसी दौरान बीजिंग में अरबपतियों की गिनती में 28 फीसदी की गिरावट आई है। 92 अरबपतियों के साथ मुंबई अब दुनिया में तीसरे नंबर पर है। उससे आगे अब न्यूयॉर्क और लंदन का ही नाम है। एक अरब डॉलर वाली लिस्ट में भी तीन सौ से ज्यादा अमीर शामिल हैं। हालांकि, इसमें एक हजार करोड़ रुपये से ऊपर की संपत्ति वालों को गिनेंगे, तो भारत पहली बार डेढ़ हजार का आंकड़ा पार कर गया है। इस सूची को देखने से लगता है कि अमीरों की गिनती सिर्फ मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों तक सीमित नहीं है। मुंबई से 386 परिवार इस लिस्ट में शामिल हैं, जिनमें से 92 के पास एक अरब डॉलर से ऊपर की संपत्ति है। हम इन्हें खरबपति भी कह सकते हैं। दिल्ली के 217 नामों में से 68 खरबपति हैं। तीसरे नंबर पर है हैदराबाद, जिसके 104 बाशिंदों में से 18 खरबपति हैं। उसने बेंगलुरु को पीछे छोड़ा है, जो पिछले साल तीसरे नंबर पर था। इस बार बेंगलुरु के 100 नामों में 27 खरबपति हैं।

थोड़ा पीछे जाकर देखें, तो तेरह साल पहले जब हुरुन इंडिया ने यह सूची बनानी शुरू की थी, तबके मुकाबले भारत में डॉलर अरबपतियों की गिनती छह गुना हो चुकी है। और, पिछले पांच साल में इस लिस्ट का आकार 2019 के 750 से बढ़कर 2024 में 1,539 हो गया है। यही नहीं, हुरुन रिच लिस्ट बनाने वालों का कहना है कि यह सूची उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बनाई जाती है। 2024 की सूची में जो लोग शामिल हैं, उनकी कहानियां दरअसल भारतीय अर्थव्यवस्था की कहानी सुनाती हैं। दस साल पहले इस सूची में 1,800 करोड़ से ज्यादा संपत्ति वाले होते थे, अब 1,000 करोड़ तक पहुंचने से हमें छोटे शहरों और कस्बों में कमाल कर रहे लोगों की कहानियां सामने लाने में मदद मिलती है।

फिर भी यह कहानी अधूरी ही है। हुरुन इंडिया के संस्थापक और चीफ रिसर्चर अनस रहमान जुनैद का अनुमान है कि भारत में एक हजार करोड़ से ज्यादा हैसियत वाले करीब पांच हजार लोग होने चाहिए। यह बात अपने आप में एक बड़ा सवाल खड़ा कर रही है कि आर्थिक लेन-देन में इतनी चाक-चौबंद व्यवस्था के बाद भी एक हजार करोड़ रुपये से ऊपर की संपत्ति वाले लोग भी नजरों से ओझल रह सकते हैं।

दूसरी तरफ यह भी देखने लायक बात है कि अमीरों की गिनती बढ़ रही है, खरबपतियों की गिनती भी बढ़ रही है, लेकिन सबसे ऊपर के पायदान पर पहुंचने की मशक्कत और मुश्किल होती जा रही है। दस साल पहले इस सूची के ऊपरी सौ नामों में शामिल होने के लिए सात हजार करोड़ की संपत्ति होना पर्याप्त था, लेकिन अब इसके लिए 28 हजार करोड़ रुपये होने चाहिए। शीर्ष दस में आने के लिए यही रकम 44 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर एक लाख 62 हजार करोड़ रुपये हो गई है। हालांकि, यह बात थोड़ा हैरान करती है कि इस समृद्धि से कितने लोगों को लाभ पहुंचता है या कितने लोगों को रोजगार मिलता है, सूची में इसका कोई जिक्र नहीं दिखता।

इसमें यह बात रेखांकित की गई है कि संपत्ति में बढ़ोतरी के मामले में सेवा कारोबार के मुकाबले मैन्युफैक्चरिंग या कारखानों वाले परिवार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले पांच साल के आंकड़े दिखाते हैं कि औद्योगिक उत्पादन वाले कारोबार ने समृद्धि के विस्तार में सबसे बड़ा योगदान दिया है। इसे यूं पढ़ा जा सकता है कि ऐसे कारोबार में बढ़त का अर्थ रोजगार में बढ़ोतरी भी होगी, लेकिन यह बात साफनहीं है। बेशक, इस सूची को कोउ नृप होउ हमहि का हानी कहकर खारिज किया जा सकता है, लेकिन ऐसी सूची को बारीकी से पढ़कर कुछ अच्छे नतीजे भी निकल सकते हैं। हालांकि, आंकड़ा सामने नहीं है, पर इस बात में कोई शक नहीं है कि उद्योग या व्यापार में लगा कोई भी परिवार तब तक अपनी संपत्ति इतनी तेजी से नहीं बढ़ा सकता, जब तक कि उसके साथ-साथ बहुत से अन्य लोग भी इस समृद्धि के सफर में हमराह न हों।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अपराध को छिपाना छोड़ दीजिए

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी जघन्य हत्या के बाद जिस तरह का आक्रोश देश भर की सड़कों पर दिखा, उसे देखकर एक बार तो लगा कि अब बहुत हो गया , अब और नहीं, अब इस श्रेणी के अपराध नहीं होंगे,पर हुआ क्या? इसके बाद भी देश के अलग-अलग हिस्सों से उसी गंभीरता की या कुछ मामलों में तो महिलाओं के विरुद्ध उससे भी गंभीर श्रेणी की हिंसा, अत्याचार की सूचनाएं आ रही हैं। इसमें किसी राजनीतिक बढ़त की गुंजाइश नहीं है, क्योंकि जिन राज्यों से ये खबरें आई हैं, वे अलग-अलग दलों द्वारा शासित हैं। लगभग वही स्थिति है, जो निर्भया के मामले के बाद देखने को मिली थी।

16 दिसंबर, 2012 की उस ठंड से कपकपाती रात में जो बर्बरता निर्भया के साथ हुई थी, उसके विवरण पढ़-सुनकर देश भर में उबाल आ गया था और सामूहिक गुस्से के विस्फोट ने बहुत कुछ बदल डाला था। फौजदारी कानूनों, दंड प्रक्रिया संहिता, साक्ष्य इकट्ठा करने और उन्हें अदालतों में पेश करने से लेकर पीड़िता के प्रति परिवार और समाज के दृष्टिकोण तक में आमूल चूल परिवर्तन हुए। ज्यादा त्वरित और कठोर दंड का प्रावधान किया गया। लंबी उबाऊ न्यायिक कार्रवाई को तिलांजलि देकर फास्ट ट्रैक कोर्ट में चले निर्भया मुकदमे के दोषियों को यथोचित सजा मिली, चार दोषियों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया, पर क्या ऐसे जघन्य अपराधों पर रोक लग सकी?

यह निराशाजनक लगता है कि विरोध और भर्त्सना की सारी प्रतिक्रियाओं के बावजूद निर्भया कांड के बाद भी लगभग हर साल उसी जैसी या उससे भी बदतर कोई न कोई घटना घटती रहती है। एक उल्लेखनीय बात यह है कि ये घटनाएं देश के किसी एक हिस्से में नहीं घटतीं और न ही किसी एक दल की सरकार को इनके लिए एकमात्र दोषी ठहराया जा सकता है। अलग-अलग भाषिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले क्षेत्रों में घटने वाली इन घटनाओं का बारीकी से अध्ययन करने पर कुछ अद्भुत समानताएं मिलती हैं और मैं इस लेख में उन्हीं को रेखांकित करने का प्रयास करूंगा।

निर्भया कांड के बाद पीड़िता के परिवारों की प्रतिक्रिया आमतौर से बदली है। पहले के मुकाबिले में ज्यादा परिवारी जन पीड़ितों के साथ खड़े दिखते हैं। अब ज्यादा दिखता है कि मां, बाप या भाई, बहन जैसे निकट के रिश्तेदार पीड़िता को ही दोषी नहीं ठहराते और उस पर यह दबाव नहीं डालते कि वह अपने साथ घटी दुर्घटना की किसी से शिकायत न करे और उसे भूल जाए। वे न सिर्फ पुलिस के पास खुद जाते हैं और इसरार करते हैं कि उनका मुकदमा लिखा जाए, वरन पीड़िता को भी प्रोत्साहित करते हैं कि वह खुलकर अपने साथ घटे को पुलिस या न्यायालय के साथ साझा करे। उत्तरोत्तर पुलिस और न्यायपालिका में महिलाओं की बढ़ रही संख्या ने इस काम को आसान भी कर दिया है। मेरी यह धारणा पिछली कुछ गंभीर घटनाओं के अध्ययन पर आधारित है। इसके उलट परिवारों से बाहर के समाज की प्रतिक्रिया इतनी उत्साहजनक नहीं है। बाहर की दुनिया मुख्य रूप से सरकारों और यदि पीड़िता किसी ऐसे रोजगार से जुड़ी है, जिसमें उसका कार्यस्थल घर से बाहर है, वहां के प्रशासकों और सहकर्मियों की प्रतिक्रिया से संबंधित है । इनकी प्रतिक्रिया लगभग एक जैसी ही निराशाजनक मिली।

पहले कार्यस्थल के सहकर्मियों की प्रतिक्रिया को देखें। मैंने निर्भया के बाद की कई ऐसी घटनाओं का बारीकी से अध्ययन किया, तो इस तकलीफदेह सच्चाई से वास्ता पड़ा कि कार्यस्थल पर अमूमन सभी मामलों में वरिष्ठ सहयोगियों ने बजाय पीड़िता के साथ डटकर खड़ा होने के मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया। कई मामलों में तो उन्होंने पहले पीड़िता को ही दोषी ठहराने की कोशिश की। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज का हालिया प्रकरण तो इस प्रवृत्ति की बानगी भर है। इस मामले में मृतका के वरिष्ठ सहकर्मियों, जिनमें प्रधानाचार्य भी सम्मिलित थे, ने शुरू से ही उसके परिवारीजनों को यह समझाने की कोशिश की कि उसने आत्महत्या की है। यह तो कई घंटों की जद्दोजहद के बाद जब मां-बाप शव देख पाए और उन्होंने शरीर के विभिन्न अंगों पर चोट के निशान और उनसे रिसता खून देखा और उन्होंने शोर मचाया, तब जाकर पुलिस और कॉलेज प्रशासकों को मजबूर होकर हत्या का मुकदमा कायम करना पड़ा। शायद कार्यस्थल के सहयोगी इस बात से भी डरते हैं कि घटना की जिम्मेदारी उनके ऊपर आ सकती है। न्याय के पक्ष में खड़े होने के लिए जिस नैतिक साहस की जरूरत होती है, उसका हमारे समाज में अभाव इस प्रवृत्ति के लिए जिम्मेदार है।

्त्ररयों के साथ घटित हिंसा की घटनाओं में आमतौर से हर जगह सरकारों का रवैया उन्हें कमतर कर आंकने और प्रचारित करने का होता है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज का उदाहरण तो एक नमूना भर है। यहां अगर कोलकाता उच्च न्यायालय और बाद में उच्चतम न्यायालय ने हस्तक्षेप न किया होता, तो मामले की तह तक पहुंचना लगभग असंभव ही होता। मैंने विभिन्न राज्यों में घटित मिलती-जुलती घटनाओं का अध्ययन किया, तो पाया कि सरकारों का रवैया हर जगह एक जैसा ही था। शायद यह सत्ता का तर्क होता है कि हर घटना के बाद सरकारें या उनके कुछ अधिकारी पहले इनकार कर देते हैं, फिर उसे कमतर आंकने का आग्रह होता है और जब मीडिया या न्यायपालिका का हस्तक्षेप मजबूर कर देता है, तब जाकर वे स्वीकार करती हैं कि कुछ गंभीर हुआ जरूर है ।

इसमें सबसे दुर्भाग्यपूर्ण भूमिका पुलिस की होती है। हर जगह अपने राजनीतिक आकाओं की उंगलियों के इशारे पर उसे नाचना पड़ता है। पुलिस राज्य का सबसे दृश्यमान अंग है और वही ऐसे संकट के समय काम करता दिखता है। निर्भया कांड (2012) के बाद के लगभग एक दर्जन मामलों में मैंने पाया कि पुलिस ने हर बार पहले तो सिरे से किसी आपराधिक घटना से ही इनकार कर दिया और जब मजबूर होकर उसे स्वीकार किया भी, तो उसकी गंभीरता को कम करके दिखाने की हर मुमकिन कोशिश की। जाहिर है, ऐसा उसने सत्ताधारी पार्टी के इशारों पर ही किया होगा। उसकेइस आचरण से पुलिस सुधारों से जुड़ी पुरानी बहसों को फिर से दोहराने की जरूरत ताजा हो उठी हैं। न जाने कब यह संभव होगा, जब प्रदेशों के मुख्यमंत्री यह महसूस करेंगे कि उनकी सरकार की छवि किसी घटना को छिपाने से नहीं, बल्कि अपराध के साथ सख्ती से निपटने और न्यायोचित कार्रवाई करने से बेहतर होगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

डरे हुए नक्सली दूसरे राज्य भाग रहे

सुनील दास

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के बहुत बुरे दिन आ गए है। वह छत्तीसगढ़ छोड़कर भाग रहे हैं पर दूसरे राज्य में उनकी ताक में बैठे जवान उनको ढेर कर दे रहे हैं। नक्सलियों ने सोचा नहीं होगा कि उनके छत्तीसगढ़ में जहां उनका एकछत्र राज चलता था, वह जो चाहते थ,जहां चाहते थे, जैसा चाहते थे, वैसा कर देते थे। उनको कोई रोक नहीं पाता था।वहां से कभी उनको दूसरे राज्य भागना पड़ेगा और वह पड़ोस के राज्य भागेंगे तो वहां भी ताक में बैठे सुरक्षा बल के जवान उनको मार देंगे।पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों का दबाव बढ़ जाता था तो वह ओडिशा,आंध्रा,महाराष्ट्र आसानी से भाग जाते थे,उनको न तो छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बल के जवान रोक पाते थे न ही दूसरे राज्य की पुलिस रोक पाती थी, इस वजह से वह मारे नहीं जाते थे।

साय सरकार आने के बाद नक्सली छत्तीसगढ़ में तो सबसे ज्यादा मारे जा रहे है,ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2024 में अब तक 153 नक्सली मारे जा चुके हैं और उनके शव भी बरामद किए गए हैं। इसी के साथ 669 गिरफ्तार किए जा चुके है और 656 ने सरेंडर किया है।कुल मिलाकर नक्सलियों में मारे जाने का खौफ इतना बढ़ गया है कि वह छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्य भाग रहे हैं ताकि अपनी जान तो बचा सकें।अब तक नक्सलियों के मारे जाने के कारण नक्सली सरेंडर ज्यादा कर रहे थे। पहली बार ऐसा लग रहा है कि अब नक्सली मारे जाने के खौफ से दूसरे राज्य भाग रहे है लेकिन जवान उनको दूसरे राज्य में मार रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सहित आस पास के राज्यों के जवानों को भी पता है कि छत्तीसगढ़ में नक्सली आए दिन होने वाली मुठभेड़ में मारे जाने डरे हुए है,उनके बचने के लिए छत्तीसगढ़ में तो कोई सुरक्षित जगह बची नहीं है।जहां जाकर वह अपनी जान बचा लें। इसलिए वह पड़ोसी राज्य भागने की कोशिश करेंगे।बीजापुर जिले के सरहद से लगे तेलंगाना के भद्रादीकोठागुडम जिला और पिनपाका मंडल करकागुड़म के जंगल में गुरुवार सुबह नक्सली छत्तीसगढ़ से तेलंगाना जा रहे थे।इसी दौरान तेलंगाना पुलिस व ग्रेहाउंडस के जवानों से उनकी मुठभेड़ हुई जिसमें छह नक्सली मारे गए। बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ कमांडर लक्ष्मण समेत नक्सली जंगल के रास्ते तेलंगाना जा रहे थे, तेलंगाना पुलिस को इसकी पहले से जानकारी थी और उसने अभियान चलाकर उनमें से छह को मार गिराया।

यह गुरुवार की घटना है, इससे पहले छत्तीसगढ़ में मंगलवार को बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले के सरहदी इलाके में हुई मुठभेड़ में नौ नक्सली मारे गए थे। इन पर 59 लाख का इनाम था। इनमें 25 लाख का ईनामी नक्सली लीडर रंधीर भी था जिसके बारे में बताया जाता है कि एसजेडसी मेंबर था और वारंगल निवासी था। उस पर 25 लाख का ईनाम था।वह बड़ा नक्सली लीडर था, उसकी सुरक्षा 50 नक्सलियों का दल करता था, इसके बाद भी सुरक्षा बलों ने उसे घेरकर मार गिराया।

यह सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता है। ऐसी सफलता पहले पुलिस व सुरक्षा बलों को नहीं मिलती थी,बड़े नक्सली नेता बचकर भाग जाते थे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि बड़े नक्सली नेता छत्तीसगढ़ आ रहे हैं और पुलिस व जवानों के हाथों मारे जा रहे है।आसानी से मारे जा रहे हैं तो इसलिए की बस्तर में खुले कैंपों के कारण सुरक्षा बलों व पुलिस की स्थिति बहुत मजबूत हो गई है। उनको नक्सलियो की सही सूचना मिल रही है और नक्सलियों की घेरेबंदी के लिए जवान जल्द मौके पर पहुंच भी जाते है। इससे नक्सलियों का सफाया आसान हो गया है। आंकड़ो से इसकी पुष्टि भी होती है।

आठ महीने में बस्तर से कुल मिलाकर 1500 नक्सलियों की संख्या कम हो गई है।यह कोई छोटी संख्या नहीं है।यह साय सरकार की बड़ी सफलता है और हाल ही में कई राज्यों के अधिकारियों की बैठक में तय किया गया है कि नक्सलियों के सफाए के लिए सभी राज्यों में अभियान चलाया जाएगा और नक्सलियों की सूचना सभी राज्य एक दूसरे को देंगे तो इसका परिणाम भी है कि अब नक्सली एक राज्य से भागकर दूसरे राज्य जाएंगे तो भी उनका बच पाना मुश्किल होगा।क्योंकि उनके पहुंचने से पहले दूसरे राज्य सूचना पहुंच जाएगी और उनका स्वागत करने वहां की पुलिस तैयार रहेगी।

गुरुवार को यही हुआ छत्तीसगढ़ से सूचना तेलंगाना भेज दी गई थी कि नक्सली भागकर तेलंगाना आ रहे है। जो काम छत्तीसगढ़ पुलिस नहीं कर सकी, वह काम तेलंगाना पुलिस ने कर दिया। नक्सलियों का किसी भी राज्य में अब बचना संभव नहीं है,इसलिए उम्मीद की जा सकती है,अब उनका समूल नाश संभव है।कई राज्यों में तो किया जा चुका है, सभी पड़ोसी राज्यों का इसी तरह सहयोग मिलता रहा तो छत्तीसगढ़ से भी नक्सलियों का सफाया तय समय मे कर दिया जाएगा।।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

खास खबर

तीजा पर्व कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद बघेल व विधायक ललित चंद्राकर

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मरोदा टैंक रिसाली में माँ कल्याणी शीतला मंदिर समिति द्वारा आयोजित त्याग ,तपस्या, व आस्था के पर्व तीजा तिहार व तीजहारीन बहनों के सम्मान समारोह के कार्यक्रम में दुर्ग सांसद विजय बघेल व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर सभी बहनों को तीज के पर्व की शुभकामनाएं दी व साड़ी भेंट कर उनका सम्मान किया। साथ ही पारंपरिक खेल का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने प्रदेश की बहन-बेटियों को लोक पर्व तीजा की बधाई एवं शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा कि यह त्यौहार बहन-बेटियों को सखी-सहेलियों और परिवार से मिलने और सुख-दुख बांटने का उत्सवपूर्ण अवसर देता है। भगवान से सभी प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूँ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष व समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र शेंडे ,राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित रजनी रजक ,अभिनेत्रि उपासना वैष्णव ,संगीता रजक ,पार्षद विधि यादव ,प्रमुख सलाहकार अरुण वर्मा,तेजराम साहू ,उपाध्यक्ष रमेश वर्मा ,सचिव चोवाराम निषाद,संभु पटेल,विमल मानिकपुरी, माधव, मुक्तार यादव,पूनम सपहा, मुकेश यादव,प्रमोद साहू,शंकर यादव,मनोज साहू,राजू जंघेल,कोमल राधे,सितारा देवी विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में तिजहरीन बहनी व क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण अधिकारियों के ज्वलंत मांगो के निराकरण करने कर्मचारी संघ मिला सांसद बघेल से

दुर्ग। छत्तीसगढ़ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों/अधिकारियों द्वारा विभिन्न मागों के संबंध में विजय बघेल सांसद लोकसभा क्षेत्र दुर्ग के निवास स्थान सेक्टर-5 भिलाई में जाकर ज्ञापन सौपा गया। भानुप्रताप यादव जिलाध्यक्ष छग प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया कि विगत 11 वर्षों से 723 नियमित प्रशिक्षण अधिकारियों की पदोन्नति नहीं दी गई है। विभाग में प्रशिक्षण अधीक्षक/तकनीकी सहायक संवर्ग के लगभग 180 पद रिक्त है। प्रशिक्षण अधीक्षक के पद पर अतिशीघ्र पदोन्नति की जावे। शासन के आदेशानुसार 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके सभी पात्र प्रशिक्षण अधिकारियों को समयमान वेतनमान का लाभ प्रदान किया जावे। ज्ञापन सौंपने वालों में भानुप्रताप यादव जिलाध्यक्ष छग प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, विनोद कुमार साहू प्रदेशाध्यक्ष छग आईटीआई कर्मचारी/अधिकारी संघ, चुन्नीलाल साहू दुर्ग संभागाध्यक्ष, केवलराम वर्मा दुर्ग जिलाध्यक्ष, गजेन्द्र यादव रायपुर संभागाध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कथा में बाबा रामदेव की महिमा का गुणगान...

दुर्ग। श्री बाबा रामदेव मंदिर समिति गंजपारा द्वारा द्वारा स्वर्ण जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित बाबा रामदेव की कथा में वृंदावन से आये प्रसिद्ध कथावाचक श्याम देव शास्त्री जी ने बाबा रामदेव महाराज द्वारा दिए गए पर्चों बारे विस्तार से कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि व्यापारी लाखा बंजारा बैल गाडियों में मिश्री भरकर पोखरण की ओर जा रहा था। तभी रास्ते में उसकी भेंट घोड़े पर रहे भगवान रामदेव से हुई उन्होंने पूछा गाडियों में क्या है तब लाखा ने कहा बाबा जी नमक भरा है तो रामदेव जी ने कहा जैसी तेरी भावना। यह कहते ही गाडियों की सारी मिश्री नमक बन गई। तब लाखा बंजारे को अपने झूठ पर पश्चाताप हुआ उसने श्री रामदेव से माफी मांगी तब उन्होंने नमक को मिश्री बना दिया। बोहिता राजसेठ की नाव को समुद्र के तूफान से निकालकर किनारे लगाया। स्वार कीया भगवान रामदेव का सखा था उसकी मृत्यु सर्प के डसने से हो गई तब श्री रामदेव जी ने उसका नाम पुकारा वह तुरंत ही उठकर बैठ गया। दला सेठ निसंतान था साधू संतों की सेवा उसका नित्य काम था भगवान श्री रामदेव की कृपा से उसे पुत्र प्राप्त हुआ उसने रूढ़िचा में अपने बच्चे के साथ पैदल यात्रा की। रास्ते में उसे लुटेरों ने मार दिया, सिर धड़ से अलग कर दिया भगवान श्री रामदेव की कृपा से पुन: उसका सिर धड़ से जुड़ गया । भगवान रामदेव कलयुग के अवतारी हैं। शेष शैय्या पर विराजमान महाशक्ति विष्णु का अवतार है। जिस प्रकार भगवान कृष्ण भगवान और राम का अवतार हुआ था। उसी शक्ति ने कलयुग में अवतार भगवान रामदेव के रुप में लिया था।

भिलाई में इलेक्ट्रिक सिटी बसों के लिए 7 करोड़ के प्रोजेक्ट को हरी झंडी, 50 बसें स्वीकृत

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री साय का जताया अभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जल्द ही शहर में इलेक्ट्रिक सिटी बसें दौड़ती दिखाई देंगी। केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भिलाई में इलेक्ट्रिक सिटी बसों के लिए 7 करोड़ के प्रोजेक्ट को स्वीकृति दी है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इसके लिए विशेष प्रयास किया और उनके प्रयास से भिलाईवासियों को 50 सिटी बस की सौगात मिलने जा रही है। विधायक रिकेश ने इस प्रोजेक्ट को माताओं और बहनों को समर्पित करते हुए कहा कि अगले वर्ष तीज त्यौहारों की तैयारी को लेकर होने वाली मार्केटिंग और अत्यंत कम दर पर मायके आने जाने के लिए ये सिटी बसें माताओं बहनों के लिए आवागमन का बेहतर माध्यम साबित होंगी।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा और दुर्ग जिले में सिटी बस की फिर से शुरुआत हो इसके लिए उन्होंने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था और खुशी का विषय यह है कि पचास इलेक्ट्रिक बस हमारे भिलाई को मिल रही हैं। वैशाली नगर विधानसभा के अलग अलग वार्डों में भी इसका रूट तय होगा। तीज पर यह स्वीकृति आने से एक तरह से तिजहारिन माताओं बहनों के लिए यह खुशी की खबर मैं उन्हें गिफ्ट के रूप में दे रहा हूं। विधायक रिकेश सेन ने इसके लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया है।

इलेक्ट्रिक बसों से पर्यावरणीय लाभ भी

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन करने वाली ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और शोर के स्तर को न्यूनतम रखने की अपनी क्षमता के कारण इलेक्ट्रिक बसों से पर्यावरणीय लाभ भी होगा। अमूमन डीजल बसों का धुआं स्वास्थ्य के लिए ख़तरा है। इलेक्ट्रिक बसों में शून्य टेलपाइप उत्सर्जन होता है। हम सभी जानते हैं कि भिलाई को स्मार्ट शहर के रूप में ले जाने के लिए परिवहन प्रणालियाँ स्वच्छ हवा, डीकार्बोनाइजेशन और जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए ये इलेक्ट्रिक सिटी बसें काफी उपयोगी होंगी क्योंकि वायु प्रदूषण जनसंख्या के मृत्यु दर के जोखिम को काफी हद तक बढ़ा रहा है।

बसों का किराया भी होगा न्यूनतम

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि 7 करोड़ रुपये के लगभग का यह प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है। सभी 50 इलेक्ट्रिक सिटी बसों का किराया भी न्यूनतम होगा क्योंकि इनका संचालन पेट्रोल डीजल से नहीं बल्कि बिजली चार्ज से होना है। बस को चार्ज करने के लिए डी मार्ट के समीप एक चार्जिंग डिपो भी बनेगा। इस प्रोजेक्ट का कार्य जल्द प्रारंभ किया जाएगा और पूरे सेटअप को तैयार करने में लगभग 6 से 8 महीने का समय लगेगा। इलेक्ट्रिक सिटी बसों के संचालन से जहां भिलाई वासियों को मार्केट, अस्पताल, निगम, जिला प्रशासन कार्यालय सहित समीपस्थ स्थानों पर सुलभ आवागमन अत्यंत कम किराया पर सुनिश्चित होगा वहीं शहर के प्रदूषण को कम करने में भी हम कामयाब होंगे। हम लोग अधिकतर देखते हैं कि खासकर महिलाओं को डीजल के धुएं की वजह से वोमिटिंग होती है, इलेक्ट्रिक बस से यह समस्या भी दूर हो जाएगी।

लोगों को प्रदूषण से भी मिलेगी राहत

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसें आने से प्रदूषण से भी काफी राहत मिलेगी। पेट्रोल व डीजल के बढ़ते दाम को देखते हुए यह बस काफी किफायती रहने वाली हैं। बहुत जल्द पूरे प्रोजेक्ट की रूपरेखा जमीन पर दिखेगी, सिटी बस संचालन कंपनी और इसमें लगने वाले ड्राइवर, चार्जिंग स्टेशन, इलेक्ट्रिक रिपेयर मैनेजमेंट और बिजली खर्च आदि के लिए स्थानीय भर्तियां भी होंगी। इलेक्ट्रिक बसें चलने में काफी आराम दायक होती हैं। बसों में बैठने की सीट काफी आरामदायक होगी जिससे सिटी बस खासकर बुजुर्गों के लिए भी वरदान साबित होगी। आज के दौर में 45 साल के उपर लगभग 70 प्रतिशत लोगों को कमर दर्द की दिक्कत है। उनके लिए यह सीट काफी अच्छी रहने वाली है।

कंडम बसों के लिए जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई

सुपेला बस स्टैंड पर खड़ी कबाड़ सिटी बसों को लेकर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि करोड़ों रूपयों की लागत से शुरू की गईं सिटी बसों को कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल में किस तरीके से बर्बाद और कंडम किया है यह दुर्ग भिलाई के लोग भलि भांति जानते हैं। जल्द ही पूर्व में संचालित सिटी बसों की व्यवस्था को बेहाल और बर्बाद करने वाले जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग वो करने जा रहे हैं। सिटी बस संचालन रोके जाने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया शिक्षकों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट भिलाई के चेयरमैन एम सी जैन के करकमलों दृष्टिबाधित शिक्षक अजय दुबे एव नयनदीप विद्या मंदिर की प्राचार्या श्वेता महोबिया एवं शिक्षिका संगीता ओझा का शिक्षक दिवस समारोह में रोटरी प्रांगण में सम्मान किया गया।

इस अवसर पर रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के सम्मानित अध्यक्ष डॉ संतोष राय वाइस चेयरमैन सी एस बाजवा रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं नयन दीप विद्या मंदिर के संचालन प्रमुख ज्ञानचंद जैन ट्रस्ट के सदस्य पी सी लालवानी विशेष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित थे।

इस अवसर पर जहां दृष्टिबाधित छात्रों ने अपने विद्यालय के प्राचार्य एवं स्टाफके प्रति अपनी शुभकामनाएं संगीत और जीत के माध्यम से व्यक्त की वही संस्था के चेयरमैन एम सी जैन ने रोटरी परिवार के सदस्यों की ओर से पुष्पगुच्छ एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया कार्यक्रम का संचालन रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने किया।

मानव संसाधन विभाग में विभागीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, इस्पात उत्पादन के साथ देश की कला, संस्कृति, साहित्य और भाषा आदि के उत्तरोत्तर प्रगति के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य करता है। राजभाषा हिंदी की समृद्धि और विकास की दिशा में भी भिलाई इस्पात सयंत्र सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा दिनांक 06 सितम्बर 2024 को इस्पात भवन में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि पवन कुमार ने राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यालयीन कार्यों में इसका अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि हम हिंदी को आत्मसात करें, हिंदी का शत-प्रतिशत उपयोग करना शुरू करें, ऑनलाइन नोटशीट भी हिंदी में ही बनाएँ।

अध्यक्षता कर रहे संदीप माथुर ने कार्यशाला को संयंत्र के समग्र निष्पादन के लिए लाभकारी बताया, प्रत्येक तिमाही में कार्यशाला का आयोजन करने की प्रतिबद्धता दोहराई और वॉइस टाइपिंग को कार्यालयीन कार्यों के लिये बहुउपयोगी निरूपित किया।

कार्यशाला में उप प्रबंधक गिरीश कुमार मढ़रिया ने स्वरचित कविता 'मेरा भिलाई' का पाठ किया जिसे समस्त प्रतिभागियों ने भरपूर सराहा। कार्यषाला में सामान्य ज्ञान, पर्यावरण, सुरक्षा एवं पारिभाषिक शब्दावली पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसके विजेता इस प्रकार रहे-प्रथम के जोत कुमार उप प्रबंधक, द्वितीय एम वी वी प्रसाद वरिष्ठ प्रबंधक, तृतीय सुश्री समायला अंसारी उप प्रबंधक। प्रोत्साहन पुरस्कार-सुश्री अनुराधा सिंह महाप्रबंधक,गिरीश कुमार मढ़रिया उप प्रबंधक और श्री राहुल थोटे वरिष्ठ प्रबंधक ने प्राप्त किया। साथ ही हिंदी ज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता में सौमिक डे, विकास चन्द्रा, के सुपर्णा, राजीव कुमार, कौशल कुमार साहू, नरेन्द्र इंगले एवं प्रियंका मीना विजेता रही।

महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन व जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) श्री सौमिक डे ने ऑनलाइन वॉइस टाइपिंग का प्रदर्शन किया। विभागीय राजभाषा समन्वय अधिकारी एवं उप महाप्रबंधक राजीव कुमार ने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राजभाषा अधिकारी व उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों की जानकारी दी और सभी प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी में समस्त कार्यालयीन कार्य करने की शपथ दिलाई।

कार्यशाला में महा प्रबंधकगण सूरज सोनी, अनुराधा सिंह, के सुपर्णा, आर रंजनी, विकास चन्द्रा, उप महाप्रबंधक राजीव कुमार, प्रताप शेखर नायक, सहायक महाप्रबंधकगण कौशल कुमार साहू, बिजू जॉर्ज, जया रॉय, सुश्री पद्मिनी कुमार, तुषार रॉय चैधरी, नरेन्द्र इंगले, वरिष्ठ प्रबंधकगण राहुल थोटे, प्रियंका मीना, निशा बाउल उपस्थित थी।

विभागीय राजभाषा समन्वय अधिकारी उप महाप्रबंधक राजीव कुमार ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक शालिनी चैरसिया ने किया।

दीपशिखा विद्यालय में शिक्षक दिवस व सम्मान समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । दीपशिखा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डूमरडीह (उतई) में प्रतिवर्षो की भांति शिक्षक दिवस व सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रजनी बघेल धर्मपत्नी सांसद विजय बघेल दुर्ग, विशिष्ट अतिथि पी.सी. बाग (जी एम ऑक्सीजन प्लांट भिलाई) एसके मानिकपुरी (एजीएम ऑक्सीजन प्लांट भिलाई) कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपशिखा शिक्षण समिति के डायरेक्टर डी एल सिन्हा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों के द्वारा सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन एवं मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। छात्र संघ के पदाधिकारियों ने समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा साथ में छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती रजनी बघेल ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है । किसी भी राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है । विशिष्ट अतिथि पी सी बाग एवं एस के मानिकपुरी ने कहा कि बच्चों के चरित्र निर्माण में माता की भूमिका अहम होती है एवं मां ही प्रथम गुरु होती है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डायरेक्टर डी एल सिन्हा ने कहा कि शिक्षक ही छात्र-छात्राओं को संवारने का कार्य करते हैं। वे विद्यार्थियों को न केवल पुस्तकीय ज्ञान देते हैं बल्कि उनके भविष्य में आने वाले परेशानियों से सामना करने का साहस का गुर भी सिखाते हैं। शिक्षक समाज में सबसे सम्मानित व्यक्ति होता है। इस अवसर पर इंग्लिश मीडियम प्रभारी प्राचार्य शांता सोनवानी देश के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के बारे में विस्तार पूर्वक से जानकारी दी।

इसके पश्चात शाला प्रबंधन द्वारा सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया तथा साथ में विद्यार्थियों ने भी अपने गुरुजनों को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किये । इस अवसर पर प्राचार्य के आर सिन्हा, पालक शिक्षक समिति के पूर्व अध्यक्ष केजूराम साहू, सदस्य दामेश्वर प्रसाद साहू, प्रधान पाठक एन के चंद्राकर, उप प्रधान पाठक एस आर सेन, प्रभारी प्राचार्य श्रीमती अनीता यादव, शरणजीत कौर, दिनेश कुमार सिन्हा, दीपशिखा सिन्हा एवं समस्त शिक्षक -शिक्षिकाएं उपस्थित थे ।आभार प्रदर्शन प्राचार्य के आर सिन्हा ने किया।

खास खबर...

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसः मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 8 सितंबर अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने अपने संदेश में कहा है कि साक्षरता का विकास से सीधा संबंध है। साक्षरता समाज में समानता, शांति और विकास का मूल आधार है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस अक्षर ज्ञान की महत्ता बताने का दिन है। यह ज्ञान के प्रकाश से समाज में सुख और समृद्धि फैलाने के संकल्प लेने का दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि साक्षरता के लिए व्यक्तिगत रूचि और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। व्यापक जनभागीदारी से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि सभी लोग कार्यक्रम में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं और छत्तीसगढ़ को शत-प्रतिशत साक्षर बनाते हुए डिजिटल साक्षरता, जागरूकता सहित जीवन पर्यन्त शिक्षा की ओर अग्रसर हों। उन्होंने शालाओं और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों से अपील की है कि साक्षरता के पुनीत कार्य में भागीदार बनें। साक्षरता की नई उपलब्धियों से प्रदेश में विकास के नए आयाम सुनिश्चित करें।

राज्य में कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए डीए /डीआर के आदेश जल्दी होंगे

रायपुर। शासन द्वारा मान्यता प्राप्त राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश महामंत्री ए के चेलक के नेतृत्व में शुक्रवार 6 सितंबर को देर रात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास में प्रत्यक्ष भेंट कर ज्ञापन सौंपा तथा राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को जनवरी 24 से लम्बित डीए/डीआर देने हेतु शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इस पर संघ प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया कि राज्य में कर्मचारियों और पेंशनरों को डीए डीआर देने के आदेश बहुत जल्द जारी होंगे। राज्य कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल में राज्य कर्मचारी संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव, राज्य कर्मचारी संघ के प्रमुख कर्मचारी नेता टी आर देवांगन,जी आर बसोने, अरविंद ओझा, डा विनोद वर्मा, नागेन्द्र सिंह आदि शामिल थे।

इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री को राज्य में कैशलेश चिकित्सा योजना लागू करने और नियमित किए गए दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की भांति अवकाश नगदीकरण का लाभ देने,शिक्षा विभाग द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण आदेश को पूर्ण रूप से निरस्त कर शिक्षा संवर्ग का पद्दोन्नती हेतु ज्ञापन दिया एवम् अनेक अन्य कर्मचारी हितैषी मुद्दो की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया और उन पर शीघ्र कार्यवाही करने हेतु आग्रह किया।

रामकृष्ण शिक्षण संस्थान में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नेत्रदान को पारिवारिक परम्परा बनाएं : डॉ. दिनेश मिश्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा एक व्यक्ति के नेत्रदान के द्वारा दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश आ सकता है, स्वयं तथा अपने परिवार के सदस्यों को नेत्र दान के लिए प्रेरित कर नेत्र दान को अपनी पारिवारिक परम्परा बनाएं।

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के अवसर पर रामकृष्ण शिक्षण संस्थान में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉ दिनेश मिश्र(नेत्र रोग), डॉ वी पी पाठक(जनरल फिजिशियन), डॉ सृष्टि मिश्र(त्वचा रोग विशेषज्ञ)डॉ सुरभि मिश्र(कान नाक गला,) डॉ अबीर मिश्र (डेंटल सर्जन) ने निशुल्क सेवाएं दीं। डॉ दिनेश मिश्र ने नेत्र दान के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए कहा किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के कठिनाई भरे जीवन का अंदाज सिर्फआप कुछ पलों के लिए अपनी आँखें बंद कर ही लगा सकते हैं आँखें बंद करते ही मन में एक भय व असुरक्षा की भावना समाज जाती है और तत्काल आँखें खोलने पर मजबूर हो जाते हैं। प्रकाश व दृष्टि से परे, जीवन का एक दूसरा रूप यह भी जानिए कि पूरी दुनिया में करीब 3 करोड़ लोग पूरी तरह से दृष्टिहीन हैं। भारत में 1 करोड़ 20 लाख लोग पूरी तरह से दृष्टिहीन हैं। 80 लाख लोगों की एक आँख खराब है तथा 4-5 करोड़ लोग कम दृष्टि के कारण घर से बाहर निकलने, मन-माफिक काम करने, चलने-फिरने से पूरी तरह बाधित हैं। प्रकृति ने जीव को दृष्टि एक ऐसा अमूल्य उपहार दिया है जिसकी कोई कीमत नहीं आंकी जा सकती है। जिस अंधकार में हम एक क्षण बिताने की कल्पना नहीं कर सकते, उसी गहन अंधकार में कितने ही लोग जिन्दगी गुजारने को मजबूर हैं। क्या इनके जीवन में प्रकाश की कोई किरण आ सकती है। इस प्रश्न का उत्तर नि:संदेह हाँ, इनमें से काफी लोग मरणोपरांत नेत्रदान से लाभ उठा सकते हैं। आंखों के स्वच्छ पटल अथवा कार्निया में सफेदी आने से होने वाले अंधत्व के उपचार के लिए नेत्र दान से प्राप्त कॉर्निया मिलना आवश्यक है।

डॉ. मिश्र ने कहा नेत्रदान वह प्रक्रिया है जिसमें मानव नेत्रदान द्वारा दान-दाताओं से उनकी मृत्यु के बाद ग्रहण किये जाते हैं। नेत्रदान से प्राप्त इन आँखों की स्वच्छ कार्निया को ऐसे दृष्टिहीन व्यक्ति जिनका जीवन कार्निया में सफेदी आ जाने से अंधकारमय हो गया है, को प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति लौटायी जा सकती है। दिनेश मिश्र ने कहा पहले शिक्षा का पर्याप्त प्रसार न होने से लोगों में तरह-तरह के अंधविश्वास तथा भ्रांतियाँ जैसे कुछ लोग यह मानते हैं कि नेत्रदान देने से व्यक्ति अगले जन्म में जन्मांध होगा, तो कुछ लोग भावनात्मक कारणों से मृत शरीर के साथ चीर-फाड़ उचित नहीं मानते तथा नेत्र निकालने की अनुमति नहीं प्रदान करते हैं। तीसरा कारण है - जागरूकता व सामाजिक जिम्मेदारी का अभाव, जबकि भारत में दानवीरता के किस्से हमें सुनने को मिलते रहे हैं। बुद्ध दधीचि, बली व कर्ण जैसे दानवीर भारत की जनता के मानव में रचे बसे हैं, उसके बाद भी नेत्रदान की कम संख्या इस पुनीत कार्यक्रम को आगे बढने से रोक रही है

डॉ. मिश्र ने कहा कार्निया प्रत्यारोपण के ऑपरेशन में अच्छे परिणाम के लिए आवश्यक है कि दान देने वाले व्यक्ति की आँखें मृत्यु के उपरांत जल्द से जल्द निकाल ली जावे तथा प्रत्यारोपण का ऑपरेशन भी यथासंभव शीघ्र सम्पन्न हो सके। फिर भी छः घंटों के अंदर दानदाता के शरीर से नेत्र निकाल लिये जाने चाहिए एवं 24 घंटों के अंदर प्रत्यारोपित हो जाने पर अच्छे परिणाम आते हैं। डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कई बार दान की घोषणा के बाद भी दानकर्ता के रिश्तेदार इस आशंका से अस्पताल में खबर नहीं करते कि मृत शरीर की चीर-फाड़ कर दुर्दशा क्यों की जावे। लेकिन इस मानसिकता को बदलना आवश्यक है जो निरंतर प्रचार व जन जागरण से ही संभव है।

डॉ. मिश्र ने बताया छत्तीसगढ़ में स्थान-स्थान पर ऐसे सामाजिक संगठनों के सहयोग की आवश्यकता है। आवश्यकता पडने पर नेत्रदान व नेत्र प्रत्यारोपण के बीच कड़ी का काम कर सके, न केवल मरणासन्न व्यक्ति के परिवार को उस व्यक्ति के मरणोपरांत नेत्रदान के लिए प्रोत्साहित कर सके, बल्कि ऐसे व्यक्ति जिन्हें नेत्र प्रत्यारोपण की आवश्यकता है उन्हें भी नेत्रों के उपलब्ध होने की खबर जल्द से जल्द पहुँचाकर ऑपरेशन के लिए भर्ती करने व मानसिक रूप से तैयार होने में मदद कर सके। इसलिए निरंतर प्रचार व जन-जागरण की आवश्यकता है। हम अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करें, ताकि दृष्टिहीनों के जीवन में प्रकाश की किरणें जगमगाने लगे। डॉ मिश्र फाउंडेशन इस सम्बंध में जागरूकता अभियान के माध्यम से नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रहा है लोगों को इस सम्बंध में पम्पलेट वितरित करने,परामर्श देने,तथा नेत्रदान के लिए फार्म भरवाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ वी पी पाठक, आर के चौबे,ने भी संबोधित किया. शिविर में 300से अधिक मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण,नेत्र परीक्षण किया गया नेत्र दान के फॉर्म भरवाए एवम पंपलेट वितरित किए गए।

शिक्षक ही मजबूत राष्ट्र व संस्कारवान समाज का निर्माण करते हैं - तिलोकचंद

अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में शिक्षकों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लायंस तिलोक चंद बरडिया ने अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह में कहा कि जिस प्रकार मूर्तिकार पत्थरों को तराशकर मूर्ती बनाते हैं उसी तरह शिक्षक छात्रों को तराशकर योग्य नागरिक बनाते हैं। बरडिया ने कहा कि मजबूत राष्ट्र और संस्कारवान समाज निर्माण में शिक्षकों की महती भूमिका होती है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और नगर निगम के अध्यक्ष प्रमोद दुबे ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन प्रेरणादायी है। शिक्षक हमारे जीवन को ढालने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचीन समय से गुरू का स्थान सर्वोपरि रहा है, भविष्य में भी गुरू की गरिमा और सम्मान को बनाए रखना है। श्री दुबे ने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन की सोच, उनके काम करने का तरीका अनूठा था जो उन्हें भारत के सर्वोच्च पद पर ले गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लायंस सेंट्रल के राजेश चौरसिया ने कहा कि मूक- बधिर बच्चों के शिक्षित करना और उन्हें काबिल बनाने का अनूठा प्रयास अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल द्वारा किया जारहा है। श्री चौरसिया शिक्षकों को नमन करते हुए कहा कि उन्हें इस विद्यालय में आना और बच्चों से रुबरु होना प्रिय है और उनके गुरुओं का सम्मान करने का मौका उन्हें बार-बार मिलता रहे यही उनकी इच्छा है। बच्चों को आर्शीवाद देते हुए चौरसिया ने कहा कि ये बच्चे बोल नहीं सकते पर इनकी आँखें बोलती है और इनके इशारे बताते हैं कि जो शिक्षा प्राप्त हो रही उससे बहुत खुश है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और समाज सेविका चंद्र नागवंशी ने कहा कि शिक्षकों का कार्य अनमोल होता है। शिक्षित समाज ही मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण करते हैं। ऐसे बच्चों के साथ काम करना और उन्हें काबिल बनाना यह अपने आप में एक अनूठा प्रयास है।

अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल के प्राचार्य कमलेश शुक्ला ने कहा कि यहां बच्चों को पढ़ाने का तरीका बहुत कठिन नहीं है पर सभी शिक्षक इन बच्चों को काबिल बनाने के लिए अपनी ओर से शिक्षा देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अर्पण कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष विरेन्द्र शर्मा ने कहा कि सभी अतिथियों का आने वाले समय में भी इसी प्रकार से मार्गदर्शन स्कूल, शिक्षक एवं बच्चों को प्राप्त होते रहेगा। कार्यक्रम का संचालन कोआर्डिनेटर सीमा छाबड़ा ने किया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य कमलेश शुक्ला, करिश्मा संगोड़े, अनामिका सिन्हा, सीमा छाबड़ा, तारा बघेल, ममता गुप्ता का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के बाद लायंस लेडिस क्लब के सदस्यों ने स्कूल प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा, उपाध्यक्ष धनंजय त्रिपाठी, लायंस क्लब के शिव गुप्ता, हर्षवर्धन, तुषार केसरवानी, रीद्धी जैन, मासूम लूनिया, तृप्ति लूनिया के अलावा स्कूल शिक्षकगण और बच्चे उपस्थित थे।

शान्ति सरोवर में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा रविवार 8 सितम्बर को सुबह 10 बजे शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया है जिसका विषय होगा- श्रेष्ठतम समाज के लिए मूल्य आधारित शिक्षा।

चर्चा में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.टी.) के डायरेक्टर डॉ. एन.वी. रमना राव, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा, हेमचन्द विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा तथा रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी प्रतिभागी होंगी। मूल वक्तव्य ब्रह्माकुमारी रूचिका दीदी का होगा।

सोमवार 9 सितम्बर से सात दिवसीय तनाव मुक्ति शिविर

वर्तमान समय जीवन में तनाव बहुत बड़ी समस्या बन चुका है। कोरोना काल में छोटे बड़े सभी को तनाव का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में अनुभवी ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा विशेष रूप से शिक्षकों के लिए शान्ति सरोवर सड्डू और चौबे कालोनी रायपुर में सात दिवसीय तनाव मुक्ति शिविर आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह अथवा शाम को 7 से 8 बजे में से किसी भी सत्र में पंजीयन कराने के बाद इसमें भाग लिया जा सकेगा। प्रवेश नि:शुल्क रखा गया है।

महिलाओं ने पति की लंबी उम्र की कामना की

रायपुर। देश भर में सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। वहीं नगर और अंचल में हरियाली तीज का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं और कुंवारी लड़कियों ने व्रत रखकर भगवान से पार्वती जी की पूजा आराधना की। हरे रंग के वस्त्र आभूषण पहनकर महिलाओं ने हरियाली तीज को बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया।

बलराम जयंती-किसान दिवस कल

मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में कृषि के देवता माने जाने वाले भगवान श्री बलराम जी की जयंती 9 सितम्बर को भगवान श्री बलराम जयंती-किसान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के कृषि मण्डपम में दोपहर 12 बजे आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी होंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बृजमोहन अग्रवाल, सांसद, रायपुर, अनुज शर्मा, धरसींवा विधायक, मोतीलाल साहू, रायपुर ग्रामीण विधायक, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय डॉ. गिरीश चंदेल एवं भारतीय किसान संघ, छत्तीसगढ़ प्रान्त अध्यक्ष श्री सुरेश चन्द्रवंशी उपस्थित रहेंगे।

भगवान श्री बलराम जयंती-किसान दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में ''प्राकृतिक एवं गौ आधारित कृषि'' विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी जिसमें प्राकृतिक एवं गौ आधारित कृषि पर विषय विशेषज्ञों द्वारा किसानों को ''प्राकृतिक एवं गौ आधारित कृषि'' की संकल्पना, इसकी प्रविधि एवं इससे प्राप्त लाभों से अवगत कराया जाएगा। इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से 2 हजार से अधिक किसान शामिल होंगे। इस दिन छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में संचालित 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों में भी श्री बलराम जयंती-किसान दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय संस्कृति में आदिकाल से ही कृषि में गौ उत्पादों जैसे गोबर और गौमूत्र का प्रयोग होता रहा है। गौ आधारित खेती रसायन एवं कीटनाशक मुक्त कृषि वह पद्धति है, जिसमें परम्परागत तरीके से प्रकृति के नियमों का अनुसरण करते हुए देशी गाय आधारित खेती के सिद्धांत को अपनाकर खेती की जाती है। प्राकृतिक खेती से मिट्टी में पोषक तत्वों की वृद्धि के साथ-साथ जैविक गतिविधियों का विस्तार होता है जिससे मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और खेती की लागत कम हो जाती है।

सांसद बृजमोहन ने की सीमेंट के दामों में बढ़ोतरी वापस लेने की मांग

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को लिखा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सीमेंट की बढ़ी कीमतों पर तीखी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सीमेंट की बढ़ी कीमतों को कम करवाने के लिए मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अध्यक्ष को पत्र लिखा है। एकाएक प्रति बोरी 50 रुपए की वृद्धि को वापस लेने की मांग की है।

अपने पत्र में बृजमोहन अग्रवाल ने लिखा है कि, छत्तीसगढ़ खनिज, लौह, कोयला, उर्जा संपदा से भरपूर प्रदेश है, इसके बावजूद भी सीमेंट कम्पनियों के संगठनों द्वारा एक कार्टेल बनाकर सीमेंट की कीमतों में 3 सितम्बर 2024 से बेतहाशा वृद्धि कर दी गई है। सीमेंट कम्पनियो का रवैया छत्तीसगढ़ की भोली-भाली जनता को लुटने व एकछत्र राज करने जैसा हो गया है। सरकार को सीमेंट फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए सीमेंट की बढ़ाई गई कीमत को वापस कराकर आम जनता को राहत दिलाने की जरूरत है।

बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, सीमेंट कम्पनियों को छत्तीसगढ़ में ही खदाने, कोयला, उर्जा, सस्ती बिजली, सस्ती एवं सुलभ श्रमिक उपलब्ध हो रही है। छत्तीसगढ़ के सारे संसाधनों का इनके द्वारा दोहन किया जा रहा है। सीमेंट कम्पनियों को उत्पादन के लिए कच्चा माल से लेकर उर्जा तक सभी वस्तुऐं छत्तीसगढ़ में कम दरों पर उपलब्ध है। उसके बावजूद सीमेंट के कीमतों में वृद्धि सीधे-सीधे छत्तीसगढ़ की जनता के उपर भार है। छत्तीसगढ़ में सीमेंट का प्रत्येक महीने लगभग 30 लाख टन (6 करोड़ बैग) उत्पादन किया जाता है। जिसकी कीमतों में एकाएक 50 रूपये तक की प्रति बोरी के हिसाब से वृद्धि की गई है। प्रदेश में सभी सीमेंट कम्पनियॉ, 03 सितम्बर 2024 के पहले लगभग 260 रू. प्रति बोरी सीमेंट बेच रही थीं। जिसे अचानक एक दिन में लगभग 310 रूपये कर दिया गया है। वहीं सरकारी एवं जनहित के प्रोजेक्ट के लिए मिलने वाला सीमेंट 210 रूपये प्रति बोरी से बढ़ाकर 260 रूपये प्रति बोरी कर दिया गया है। सीमेंट की कीमतों में एक ही दिन में लगभग 50 रूपये प्रति बोरी की वृद्धि जनता के उपर आर्थिक बोझ है।

सीमेंट की कीमतों में में यह वृद्धि से छत्तीसगढ़ में चल रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, सड़क, भवन, पुल-पुलिया, नहर, स्कूल, कॉलेज, आंगनबाड़ी भवनों सहित गरीबों के लिए निर्मित पी.एम. आवास योजना पर भी असर पड़ेगा। तथा सभी शासकीय प्रोजेक्ट की लागत बढ़ जायेगी। जो राज्य हित और देश हित दोनों के लिए उचित नहीं है।

बोरियाखुर्द दशहरा उत्सव को आकर्षक व भव्य बनाने समिति की हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के बोरियाखुर्द में विगत दो वर्षों से आयोजित होने वाले सार्वजनिक दशहरा उत्सव के तृतीय वर्ष को आकर्षक एवं भव्य बनाने के लिये गुरुवार को दशहरा सांस्कृतिक महोत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक गुरुवार को रायपुर के बोरियाखुर्द, शाश्वत नगर स्थित राम दरबार हॉल में क्षेत्र के समाजसेवी श्री गजेन्द्र तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की रुपरेखा तय करते हुए निर्णय लिया कि 12 अक्टूबर 2024 को दशहरा के दिन सुबह बच्चों एवं युवाओं के लिए पतंग उत्सव दोपहर को स्थानिय युवाओं एवं महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक नृत्य, संध्या में भगवान श्री रामचंद्र जी एवं माता सीता जी की आरती पूजन दीप प्रज्जवलन, भव्य राम लीला का मंचन एवं रात्रि में विशाल रावण, कुम्भकरण एवं मेघनाथ पुतला का दहन, रोमांचकारी आतिशबाजी, छत्तीसगढ के प्रसिद्ध अंजोर लोक कला मंच, गरिमा-स्वर्णा दिवाकर एंड ग्रुप द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र तिवारी एवं कार्यकारी अध्यक्ष लच्छुराम निषाद ने बताया कि दशहरा पर्व जहां एक ओर असत्य पर सत्य की विजय के रुप में मनाये जाने वाला पर्व है वहीं दूसरी ओर यह सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता एवं आदर्शों की स्थापना के लिये जन आस्था का भी आधार है। बोरियाखुर्द में होने वाला यह पूरा आयोजन ग्रामवासी बोरियाखुर्द एवं आसपास के जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों के सहयोग से सम्पन्न होता हैं। बैठक में सचिव रुद्र कुमार साहू, उपाध्यक्ष रमेश कुमार नंदे, दूजराम साहू, कोषाध्यक्ष कोमल साहू, सहसचिव रोशन लाल साहू, एन के शुक्ला,मनहरण साहू समाज सेवक, लेखराम साहू, मोहित सेन, चंद्रशेखर साहू, राजू देवांगन, डी.पी पटेल जी, अनंत कुमार, संदीप साहू, कमल नारायण साहू, नरेश साहू, सुरेंद्र सिन्हा, कृष्ण कुमार, मनोज साहू, फलेश्वर साहू और अन्य क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

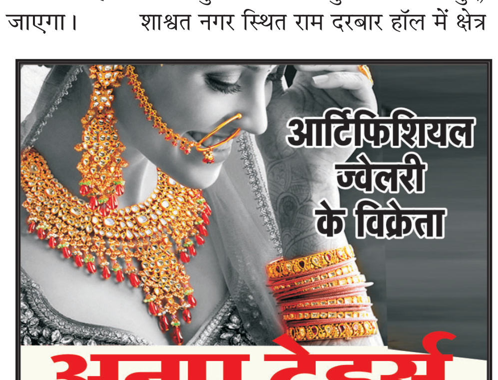

चीनी युक्त पेय पदार्थ सेहत के लिए हैं नुकसानदेह, इन तरीकों से कम करें इनका सेवन

हर किसी को कोल्ड ड्रिंक या कॉफी जैसे पेय पदार्थ पीना पसंद होता है। हालांकि, इन चीनी युक्त पेय पदार्थों के अधिक सेवन से स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित होता है। सोडा, फ्लेवर्ड दूध, मीठी चाय और कॉफी, सभी में अधिक मात्रा में चीनी होती है। इन पेय में पोषक तत्वों की कमी और चीनी की अधिक मात्रा मधुमेह और हृदय रोग पैदा कर सकती है। आप डाइट से इन पेय पदार्थों को बाहर करने के लिए ये घरेलू नुस्खे अपनाएं।

इन पेय पदार्थों की जगह पीएं पानी

अक्सर गर्मी लगने पर लोग कोल्ड ड्रिंक या चीनी से भरपूर पेय पदार्थों का सेवन कर लेते हैं। हालांकि, इनकी जगह पर पानी पीना स्वास्थ्य के लिहाज से फायदेमंद साबित हो सकता है।चीनी युक्त पेय की जगह पानी पीने से आपको हाइड्रेशन तो मिलेगा ही, साथ ही आपके खान-पान में शर्करा और कैलोरी की मात्रा भी कम हो जाएगी।इसके अलावा, आप हर्बल चाय जैसे चीनी रहित पेय पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

पेय पदार्थों के लेबल और सामग्री को अच्छी तरह पढ़ें

बाजार में मिलने वाले पेय पदार्थों के पैकेट पर अक्सर शुगर-फ्री लिखा जाता है। हालांकि, इसके बावजूद भी इनमें कुछ मात्रा में चीनी शामिल होती है।ऐसे में आपको हर पेय पदार्थ के लेबल और सामग्रियों को पढ़कर ही उन्हें खरीदना चाहिए। अगर उनमें फरुक्टोज, कॉर्न सिरप या सुक्रोज जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है तो उन्हें न खरीदें।आप मीठे की लालसा को कम करने के लिए डाइट में ये खाद्य पदार्थ शामिल करें।

स्वस्थ स्मूदी को बनाएं डाइट का हिस्सा

रोजाना चीनी से भरपूर पेय पदार्थों को आहार का हिस्सा बनाने के बजाय आप स्वस्थ स्मूदी पी सकते हैं। स्मूदी फल, सब्जियों और ओट्स जैसी पौष्टिक सामग्रियों से बनती है।इनके सेवन से आपको हाइड्रेशन, ऊर्जा और पोषक तत्व मिल सकते हैं। साथ ही आप इन्हें पी कर मीठे की लालसा कम करके अपना वजन भी घटा सकते हैं।केले, पालक, संतरे, आम, बेरी आदि जैसे फल-सब्जियों से स्वादिष्ट स्मूदी बनाकर पीएं।

घर पर खरीदकर न लाएं चीनी युक्त पेय पदार्थ

जब आपके घर में जूस, कोल्ड ड्रिंक, सोडा या फ्लेवर्ड दूध जैसे पेय पदार्थ रखे होंगे, तो आपको उनकी लालसा होती रहेगी। आप न चाहते हुए भी उन्हें निकालकर पी ही लेंगे।ऐसे में आपको अपनी किराने के सामान की लिस्ट से इन्हें हटा देना चाहिए। यानि कि आपको चीनी से भरपूर पेय पदार्थ खरीदकर घर में स्टोर नहीं करने चाहिए।आप इनके बजाय हर्बल चाय और ताजे फलों का जूस खरीदकर रख सकते हैं।

इन पेय पदार्थों की दैनिक सीमा करें निर्धारित

किसी भी व्यक्ति के लिए अचानक चीनी का सेवन बंद करना मुश्किल होता है। ऐसे में आप धीरे-धीरे करके इन पेय पदार्थों को पीना कम कर सकते हैं।आपको एक दिन में 150 मिलीलीटर से अधिक चीनी युक्त पेय नहीं पीने चाहिए। आप एक व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं कि आप एक हफ्ते में कितने मीठे पेय पिएंगे।इनकी संख्या को धीरे-धीरे कम करें, जब तक कि इन चीनी युक्त पेय पदार्थों की आदत छूट न जाए।

प्रज्ञा जैसवाल का हॉट लुक देखकर छूटे फैंस के पसीने

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही सुर्खियां बटौरता रहता है। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक बार फिर एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग अंदाज से फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका आउटफिट देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर शेयर होते ही लाइमलाइट बटौरने लगता है।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी फॉलो करते हैं।

ओपन हेयर को वेवी स्टाइल में लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने उनके लुक पर चार चांद लगा दिया है। प्रज्ञा जैसवाल की इन तस्वीरों पर लोगों ने कॉमेंट करते हुए सो प्रीटी, बेहद शानदार, यू लुक सो हॉट लिखा है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर करती रहती हैं।

कुबेर के मेकर्स ने दिया जबरदस्त तोहफा, नए पोस्टर में दिखा धनुष-नागार्जुन का इंटेंस लुक

धनुष की आने वाली फिल्म कुबेर अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। शेखर कम्मुला निर्देशित यह फिल्म 31 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उसके पहले हाल ही में मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर मोस्ट अवेटेड फिल्म का पोस्टर रिलीज किया है। जिसमें धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं। दोनों अपोजिट कैरेक्टर में हैं लेकिन दोनों के चेहरे पर ही गंभीरता और निडरता देखी जा सकती है।

कुबेर के मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया जिसे देखते ही फैंस खुश और एक्साइटेड हो गए। धनुष जहां पूरी दाढ़ी और बढ़े हुए बालों के साथ एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, वहीं उनके अजीबोगरीब अपीयरेंस ने सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि फिल्म किस बारे में होगी। दूसरी ओर नागार्जुन अक्किनेनी एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, उनका लुक काफी इंटेंस नजर आ रहा है। इनके अलावा, फिल्म में रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ, दलीप ताहिल जैसे सितारे भी हैं। शेखर कम्मुला के साथ, फिल्म को एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं इसका म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है।

कुछ वक्त पहले ही कुबेर के एक पोस्टर में धनुष का मासूम चेहरा दिखाया गया है। बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक ऐसी पर्सनालिटी को रिप्रेजेंट करेंगे, जो अपनी गरीबी और समस्याओं से जूझ रहा है। वहीं 5 जुलाई, 2024 को मेकर्स ने कुबेर से रश्मिका मंदाना की पहली झलक शेयर की थी। वीडियो में एक्ट्रेस एक घने जंगल के अंदर जमीन खोदती है और उसके अंदर से उन्हें पैसे से भरा बैग मिलता है।

सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2 की रिलीज डेट हुई अनाउंस

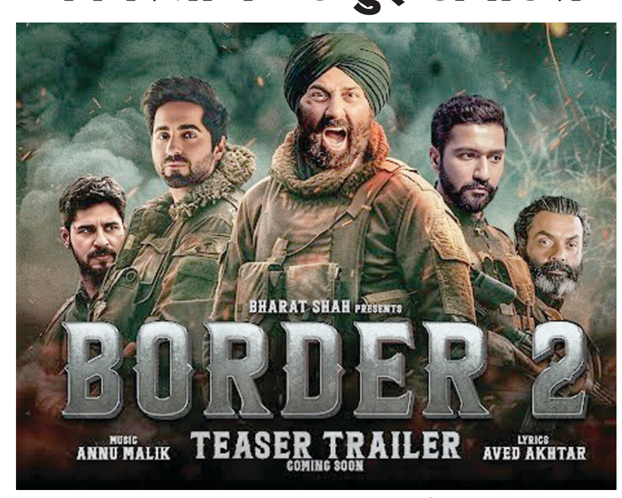

साल 1997 में रिलीज हुई जेपी दत्ता की बॉर्डर ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। इस देशभक्ति से भरी मूवी में सनी देओल, जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी सहित कई कलाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से दिल छू लिया था। वहीं अब इस फिल्म का मोस्ट अवेटेड सीक्वल आ रहा है। बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट के बाद से फैंस इस फिल्म की रिलीज डेट जानने के लिए बेसब्र हो रहे हैं। फाइनली मेकर्स ने बॉर्डर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। चलिए जानते हैं ये फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी?

बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट के बाद से फैंस इसके सिनेमाघरों में रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं इस फिल्म में अहम रोल निभा रहे सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर बॉर्डर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। पोस्ट मे लिखा गया है, बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। यानी ये फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट ने फैंस की एक्साइटमेंट अब पीक लेवल पर कर दी है।

बता दें कि हाल ही में बॉर्डर 2 का टीजर भी रिलीज हुई था। टीजर की शुरुआत सोनू निगम के गाने ए गुजरने वाली हवा बता, मेरा इतना काम करेगी क्या।।। इसके बाद वरुण धवन की आवाज आती है। दुश्मन की हर गोली से जय हिंद बोलकर टकराता हूं, जब धरती मां बुलाती है सब छोड़कर आता हूं। हिंदुस्तान का फौजी हूं मैं। इस टीजर के साथ सनी देओल ने अनाउंस किया था कि बॉर्डर 2 मे वरुण धवन की एंट्री हुई है। उन्होंने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, बॉर्डर 2 की बटालियन में फौजी वरुण धवन का वेलकम है। बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। वहीं इस फिल्म को जेपी दत्ता, भूषण कुमार और निधि दत्ता प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म में सनी देओल तो लीड रोल प्ले करेंगे ही वहीं आयुष्मान खुराना और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारो को भी फिल्म में लिया गया है। कलाकारों की सूची में विनाली भटनागर और नितीश निर्मल का नाम भी शामिल है।

वामिका गब्बी ने बेबी जॉन की शूटिंग के बीच परिवार के साथ एक छोटा सा ब्रेक लिया

अपने व्यस्त शेड्यूल के बीच, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने हाल ही में चंडीगढ़ में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए दो दिन निकाले। मुंबई में अपने व्यस्त कामों में वापस लौटने से पहले वामिका गब्बी ने यह संक्षिप्त विश्राम लिया।

अभिनेत्री, जो राज और डीके की नई सीरीज़ की तैयारी के अलावा अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन की शूटिंग में व्यस्त हैं, ने दिल्ली में पहले से तय कार्यक्रम के बाद आराम करने का अवसर लिया। उनके संक्षिप्त लेकिन बहुमूल्य 48 घंटे के ब्रेक ने उन्हें अपने प्रियजनों के साथ फिर से जुड़ने और अपने व्यस्त पेशेवर जीवन में लौटने से पहले रिचार्ज करने का मौका दिया।

एक प्रशिक्षित कथक नर्तक, वामिका ने पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 से प्रसिद्धि प्राप्त की, जिसमें यो यो हनी सिंह और अमरिंदर गिल थे। उन्होंने सिक्सटीन में मुख्य भूमिका निभाने के अलावा इश्क ब्रांडी और इश्क हाजिर है में भूमिकाओं के साथ पंजाबी फिल्म उद्योग में अपनी जगह पक्की की। निक्का जैलदार 2 और निक्का जैलदार 3 में दिखाई देने से पहले गब्बी ने तेलुगु फिल्म भले मंची रोजू में भी अभिनय किया।

कबीर खान द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स बायोपिक 83 में अन्नू के रूप में उनकी भूमिका ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। भारत की 1983 क्रिकेट विश्व कप जीत पर आधारित इस फिल्म में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जैसे शानदार कलाकार थे।

वामिका को आखिरी बार विशाल भारद्वाज की जासूसी थ्रिलर खुफिया में देखा गया था, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, जिसमें तब्बू और अली फजल भी थे। बेबी जॉन एक एक्शन फिल्म है जिसका निर्देशन कलीज़ ने किया है और इसका निर्माण एटली, मुराद खेतानी और ज्योति देशपांडे ने जियो स्टूडियो, सिने1 स्टूडियो और ए फॉर एप्पल प्रोडक्शंस के तहत किया है। फिल्म में वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

जूनियर एनटीआर ने दिया सरप्राइज, देवरा के नए पोस्टर संग ट्रेलर की रिलीज डेट का किया एलान

अभिनेता जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म देवरा है। गणेश चतुर्थी के अवसर पर एक्टर ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। यह फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उससे पहले दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है, जिसकी रिलीज डेट का खुलासा हो गया है। कोरतल्ला शिवा के निर्देशन में बनी फिल्म देवरा: पार्ट-1 में जूनियर एनटीआर का दमदार एक्शन देखने को मिलेगा।

जूनियर एनटीआर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से नया पोस्टर जारी किया है। इसके साथ लिखा है, आप सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। साथ ही बताया है कि फिल्म का ट्रेलर 10 सितंबर 2024 को जारी होगा। फिलहाल नए पोस्टर पर यूजर्स की देखने लायक प्रतिक्रिया है। कमेंट देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के प्रति दर्शक किस कदर क्रेजी हैं।

कहा जा रहा है कि देवरा: पार्ट 1 के ट्रेलर में बड़े पैमाने में ड्रामा और एक्शन का एक रोमांचक मिश्रण देखने को मिल सकता है। इस फिल्म में सैफ अली खान खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, जान्हवी कपूर भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। इस फिल्म से जान्हवी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म को दो भागों में बनाने की तैयारी है। इस फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि वॉर 2 और प्रशांत नील की अगली फिल्म को खत्म करने के बाद जूनियर एनटीआर देवरा पार्ट- 2 की शूटिंग शुरू करेंगे।

फेशियल स्टीम लेने से त्वचा को होते है कई फायदे, जानिए भाप लेने का सही तरीका

आम तौर पर लोग बंद नाक को खोलने और जुखाम के निवारण के लिए भाप लेते हैं। हालांकि, फेशियल स्टीम यानि चेहरे पर भाप लेना त्वचा की देखभाल के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।इसके दौरान चेहरे की त्वचा को गर्म पानी से निकलने वाली भाप के संपर्क में लाना शामिल होता है। आप घर पर ही यह आसान प्रक्रिया करके चमकदार और स्वस्थ त्वचा पा सकते हैं।जानिए फेशियल स्टेम लेने का सही तरीका और इसके मुख्य फायदे।

जानिए फेशियल स्टीम लेने का सही तरीका

आपको फेशियल स्टीम लेने के लिए किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं है। इसके लिए सबसे पहले पानी को गर्म कर लें और उसे एक ऐसे बर्तन में निकाल लें, जिसमें वह ज्यादा देर तक गर्म रहे।अब एक बड़ी तौलिया लें, जो आपके सिर और बर्तन दोनों को ढक सके। तौलिये को सिर पर रखकर बर्तन की ओर झुकें।ऐसा करने से भाप आपके चेहरे पर पड़ेगी और तौलिये से बाहर नहीं निकलेगी।

त्वचा होती है साफ

फेशियल स्टीम के जरिए आप अपनी त्वचा को अच्छी तरह साफ कर सकते हैं। भाप लेने से त्वचा के रोमछिद्र ढीले हो जाते हैं और आसानी से खुल जाते हैं।इसके जरिए छिद्रों में फसी हुई गंदगी को आसानी से निकाला जा सकता है, जिससे त्वचा स्वच्छ हो जाती है। साथ ही भाप लेने से रोमछिद्रों में फंसे ब्लैकहेड्स भी चुटकियों में दूर हो जाते हैं।आप इन नुस्खों के जरिए गाल पर होने वाले ब्लैकहेड्स को हटा सकते हैं।

त्वचा देखभाल उत्पाद बेहतर तरीके से होते हैं अवशोषित

कई बार त्वचा के अस्वस्थ और रूखे हो जाने के कारण मेकअप और त्वचा देखभाल के उत्पाद ठीक तरह से अवशोषित नहीं हो पते हैं। ऐसे में आपका

मेकअप केकी दिखने लगता है।इस समस्या के निवारण के लिए भी फेशियल स्टीम कारगर साबित हो सकती है। भाप लेने से रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे मेकअप और देखभाल के उत्पाद त्वचा में आसानी से अवशोषित हो जाते हैं।इसके परिणामस्वरूप आपकी त्वचा इन उत्पादों का अधिक फायदा पा सकती है।

बढ़ता है कोलेजन उत्पादन

जब आप चेहरे पर भाप लेते हैं, तो चेहरे में होने वाला रक्त प्रवाह बढ़ जाता है। इसके जरिए कोलेजन और इलास्टिन उत्पादन को भी बढ़ावा मिलता है।कोलेजन वह प्रोटीन होता है, जो आपकी त्वचा को मुलायम और स्वस्थ बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता है। फेशियल स्टीम लेने से आपको झुर्रियों और महीन रेखाओं से भी छुटकारा मिल सकता है।इन 5 तत्वों के जरिए आपकी त्वचा में कोलेजन बढ़ सकता है।

त्वचा होती है हाइड्रेट

कई लोगों की त्वचा प्राकृतिक तौर पर ही रूखी होती है, तो कई लोगों को मौसम के बदलाव के कारण यह समस्या झेलनी पड़ती है। इससे निजाद पाने के लिए त्वचा को हाइड्रेटेड रखना जरूरी होता है।त्वचा को हाइड्रेशन प्रदान करने के लिए फेशियल स्टीम ली जा सकती है। भाप तेल उत्पादन को बढ़ाने में मदद करके त्वचा को हाइड्रेट करती है और चेहरे को प्राकृतिक रूप से मॉइस्चराइज करती है।

सरकार की योजनाओं और नीतियों का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना : विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सरकार समाज को आगे बढ़ाने लगातार कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम नवागांव में पटेल भोयारा मरार सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने सामाजिक भवन निर्माण के लिए समाज को बधाई और शुभकामनाएं दी। उप मुख्यमंत्री ने सामुदायिक शौचालय के लिए 7 लाख और बोर खनन, ग्राम नवागांव में शीतला मंदिर के पास मंच निर्माण के लिए 4 लाख और सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पटेल समाज द्वारा एक जुटता से बनाया गया यह सामाजिक भवन समाज की एकता को प्रदर्शित करता है। छत्तीसगढ में समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार समाज को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार की योजनाओं और नीतियों का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक भवनों और अन्य विकासात्मक परियोजनाओं के माध्यम से समाज के उत्थान और समृद्धि को सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक समाज का एक सामाजिक भवन होना चाहिए। इससे समाज के नागरिकों को विभिन्न आयोजनों के लिए एक स्थिर स्थान उपलब्ध रहेगा और वे अनेक कार्यक्रम यहां आयोजित कर सकेंगे। सामाजिक भवन समाज की सामाजिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक ऐसा स्थान प्रदान करता है जहां लोग मिल सकते हैं, संवाद कर सकते हैं और सामूहिक प्रयासों के लिए एकजुट हो सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि गांव को नशा से मुक्त करने के लिए नशा मुक्ति अभियान चलाया जाना चाहिए जिसमे समाज की भागीदारी बनी रहे। उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से जुड़कर नशामुक्त समाज की दिशा में प्रयास करें। नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि समाज के विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है। इसलिए, सभी को एकजुट होकर इस समस्या का समाधान करना चाहिए ताकि गांव का हर नागरिक स्वस्थ और सशक्त बन सके। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, जनपद सदस्य रवि राजपूत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य परदेशी पटेल, सोहन सिवोपसक, योगेश साहू, ईश्वरी साहू सहित जनप्रतिनिधि, नागरिकगण उपस्थित थे।

प्राथमिक शाला भवन के निर्माण से गाँव के बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिलेगा : विजय शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार प्रदेश के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इन विकास कार्यों से बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। नए भवन से विद्यार्थियों को एक सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा, जिसमें वे अपने भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है और इसलिए सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इससे बच्चों की शैक्षिक प्रगति में वृद्धि होगी और वे अपने भविष्य के लिए बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्राथमिक शाला भवन के निर्माण से गाँव के बच्चों को बेहतर शैक्षिक

वातावरण मिलेगा। उन्होंने आशा जताई कि नए भवन से शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, जनपद सदस्य रवि राजपूत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य परदेशी पटेल, सोहन सिवोपसक, योगेश साहू, श्री ईश्वरी साहू सहित शिक्षक, छात्र और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

साध्वी ज्ञान दर्शन चरित्र का सु मंगल वातावरण में आध्यात्मिक मिलन

दान की अपनी महिमा है इससे अधिक से अधिक जुड़े और जोड़ने हेतु प्रेरित करें : साध्वी सुमंगल प्रभा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आध्यात्मिक वातावरण में हर्ष और उल्लास के साथ मूर्ति पूजक के संघ की साध्वी दर्शन प्रभा जी ज्ञान प्रभा जी और चरित्र प्रभा जी चतुर्विद् संघ की विशेष उपस्थिति में नवकार भवन से चलकर जय आनंद मधुकर रतन भवन पहुंची और दोनों साध्वी मंडल ने एक दूसरे का गर्म जोशी से स्वागत अभिनंदन किया।

साध्वी शुभ मंगल प्रभा जी साध्वी सुवृद्धि श्रीजी साध्वी रजत प्रभा जी साध्वी प्रांजल श्री जी ने साध्वी समुदाय की अगवानी की एक पाट पर जैन समाज की अलग-अलग विचारधाराओं की साध्वी का अनोखा संगम सबको आनंदित कर रहा था साध्वी सुमंगल प्रभा ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा चातुर्मास के दौरान हमारा जरूर मिलना नहीं हुआ पर हम मन से वचन से आपस में एक दूसरे से विचारों के आदान-प्रदान से मिलते रहे हैं।

मूर्ति पूजक संघ की साध्वी दर्शन प्रभा जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा संत और साध्वी समुदाय का आपसी मिलन होते रहना चाहिए जिससे संघ और समाज में सामाजिक एकता बनी रहती है हम साध्वी मंडल का आज आध्यात्मिक वातावरण में मिलन हुआ जो संघ एकता की परिचायक है हम विचारों के आदान-प्रदान से आप सभी के संदेशों के द्वारा मिलते रहे हैं हम बार-बार मिले ऐसा वातावरण परमात्मा हमेशा निर्मित करता रहे हम वीर प्रभु से ऐसी मंगल कामना करते हैं।

जय आनंद मधुकर रतन भवन की धर्म सभा कैसे करें की हो जाए धनवान विषय पर केंद्रित थी साध्वी सु मंगल प्रभा जी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए दान के महत्व को बताते हुए अनेक रोचक उदाहरण सभा के सामने रखें साध्वी श्री ने कहा दान करना एक बहुत बड़ा धर्म है और ऐसा ही कार्य स्वधर्मी सहायता में दुर्ग नगर में गौतम लब्धि फाउंडेशन के माध्यम से संचालित हो रहा है उन्होंने गौतम लब्धि फाउंडेशन के द्वारा संचालित स्वधर्मी सहायता की प्रशंसा करते हुए इस योजना में अधिक से अधिक जुड़ने का आह्वान किया गौतम लब्धि के कलश जैन समाज के बहुत से घरों में वितरित किए गए हैं और बहुत से घरों तक पहुंचाने की योजना भी स्वधर्म सहायता हेतु एक अनुकरणीय कार्य करेगी

फ ाउंडेशन द्वारा सहयोग की गई राशि लौटाई बिटिया ने

गौतम लब्धि फाउंडेशन के नवीन संचेती ने जानकारी देते हुए बताया की फाउंडेशन के द्वारा दुर्ग दिगंबर जैन समाज की बिटिया को पढ़ाई है तू आर्थिक मदद दी गई को उसे बिटिया ने अपनी पढ़ाई पूर्ण कर आज दुर्ग भिलाई क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी में गौतम लब्धि फ ाउंडेशन के संयोजक सुरेश श्रीश्रीमाल के सहयोग से प्राइवेट कंपनी में कंपनी सेक्रेट्री पद पर कार्यरत है जैसे ही उसे बिटिया को अपना पहला वेतन प्राप्त हुआ उस बिटिया ने गौतम लब्धि फाउंडेशन के द्वारा दी गई राशि को वापस लौटाया और बिटिया ने कहा मेरे जैसी हजारों बेटियां जैन समाज में है उन बेटियों को भी शिक्षा के लिए रूपयों की आवश्यकता है यह राशि भी उन बेटियों को पढ़ाई में सहयोग करते हुए खर्च की जानी चाहिए आगे भी मैं गौतम लब्धि फाउंडेशन में सहयोग करती रहूंगी।

धूमधाम से मनाया गया हरियाली तीज का त्योहार

महिलाओं ने विधि-विधान से किया पूजन पति की लंबी उम्र की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। देश भर में सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। वहीं आज गरियाबंद नगर और अंचल में हरियाली तीज का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं और कुंवारी लड़कियों ने व्रत रखकर भगवान से पार्वती जी की पूजा आराधना की। हरे रंग के वस्त्र आभूषण पहनकर महिलाओं ने हरियाली तीज को बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया।सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना की। वहीं, कन्याओं और युवतियों ने व्रत रखकर विधि-विधान से पूजन किया।

नगर के वार्ड 14 स्थित सिन्हा निवास पर ग्रुप की महिलाओं धरमीन सिन्हा सुमन लता केला संध्या सोनी, हेमलता सिन्हा,राधिका सिन्हा,लक्ष्मी सिन्हा राधिका सिन्हा पूनम सोनी,रुपाली सोनी,मोहनी सिन्हा रेणुका सिन्हा रश्मि केला रानू वंदना लीना सिन्हा सहित दर्जनों महिलाओं ने हरियाली तीज पर्व मनाते हुए विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की। आराधना करते हुए पति की लंबी आयु की कामना करते हुए सामूहिक रूप से हरियाली तीज गीत गाते हुए मनमोहक नृत्य किया,तो अन्य महिलाओं के साथ झूला डालकर झूला झूले । तीज का पर्व बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पति-पत्नी के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है-लक्ष्मी सिन्हा,,,,,इस मौके पर लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि हरितालिका तीज व्रत को भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हस्त नक्षत्र के दिन मनाया जाता है।इस दिन कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियाँ गौरी-शंकर की पूजा करती हैं और भगवान शिव ने पार्वतीजी को उनके पूर्व जन्म का स्मरण कराने के उद्देश्य से इस व्रत के माहात्म्य की कथा कही थी।इस व्रत के पीछे एक पौराणिक कथा को लेकर लक्ष्मी ने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। यह व्रत महिलाओं को अपने पति के साथ जोड़ता है और उनके रिश्ते को मजबूत बनाता है।

भागवत कथा मनुष्य को भगवत बना देती है : अतुल कृष्ण

कोरबा। ठण्डु राम परिवार (कादमा वाले) के द्वारा मेहर वाटिका में आयोजित हो रही कथा के तीसरे दिन व्यासपीठ से आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने कहा कि भागवत कथा मनुष्य को भगवत बना देती है। श्रीमद् भागवत कथा में ही ऐसी शक्ति है जो भटके हुए को रास्ता दिखाती है, बिगड़े हुए को सुधार देती है और दुष्टों का उद्धार कर देती है। गीता ज्ञान है, ज्ञान कैसा होने चाहिए, यह बातें भगवान ने भागवत में बताई हैं।

आज की कथा में कपिल देव मुनि संवाद, ध्रुव चरित्र, शिव-सती प्रसंग का वर्णन किया गया। श्री भारद्वाज ने कहा कि जब बुद्धि भगवान में लग जाए अथवा भगवान बुध्दि का वरण कर ले, तो समझ लें कि मनुष्य को ज्ञान की प्राप्ति हो गई है, क्योंकि यह बुद्धि ही है जो मनुष्य के विचारों एवं आचार को अपने आदेश पर चलाती है और मन के आदेश को मानती है। यदि बुद्धि भगवान में लग गई तो फिर उसमें ऐसे विचार आएंगे ही नहीं जिसमें किसी का अहित या नुकसान हो। जो भगवान के सामने रोते हैं उसे संसार के सामने नहीं रोना पड़ता और भगवान अपने भक्तों के लिए दौड़े चले आते हैं और उन्हें अपने पास रख लेते हैं। जिसे पूरी दुनिया में जाकर भी शांति नहीं मिलती, उसे भगवान के गोद में आकर शान्ति मिल जाती है। श्री भारद्वाज ने बताया कि भगवान ने अपने विराट स्वरूप का दर्शन केवल एक बार और एक ही को दिखाया है, वह भी महाभारत के युद्ध में अर्जुन को दिखाया है। इसके अलावा उन्होने किसी को भी अपने विराट स्वरूप के दर्शन नहीं दिए।

कथा व्यास ने कहा कि भगवान के अपने धाम लौटने के साथ ही कलयुग प्रारम्भ हो गया और कलयुग ने अपने अत्याचार करने शुरू कर दिए। कलयुग ने बैल रूपी धर्म को मारा तो धर्म के तीन पैर टूट गए, लेकिन सत्य पर जो पैर था, वह नहीं टूटा और सत्य आज भी स्थापित है। जीवन का व्यवहार भी सत्य पर ही चलता है। उन्होने कहा है कि लोगों ने धर्म की परिभाष ही बदल डाली है। धर्म के चार स्तम्भ तप, सत्य, दया एवं पवित्रता हैं। कलयुग में मनुष्य से ना तो तप हो सकता है और ना ही भगवान की तरह दयालु हो सकता है। रही पवित्रता की बात तो वह भी जा रही है। केवल सत्य ही है, जो पहले भी स्थापित था और आज भी स्थापित है और कल भी रहेगा।

आचार्य अतुल कृष्ण ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति का जो हाल है, उसके बिगड़ने का कारण दृष्टि, मन, मोबाईल, टीवी, फिल्म जैसे अनेक साधन सहज उपलब्ध हैं। आने वाले समय में इसके और भी दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे। आज से 100 वर्ष पहले की संस्कृति क्या थी? आज अखबारों के प्रत्येक पृष्ठों पर अपराध की खबरें हैं। क्या आज से 20 वर्ष पूर्व ऐसी हालत थी? आज पूरे समाज में प्रत्येक कर्मों में मिलावट आ गयी है, जिसका प्रतिशत 2 से 3 है, लेकिन आने वाले समय में यह और भी बढ़ेगी, उस समय में देश की हालत कैसी होगी ? मनुष्य के जीवन से जप तप, पवित्रता, दया और सत्यता नहीं रह गई हो तो हालत तो बिगड़ेंगे ही।

एम्स रायपुर भर्तीः 82 पदों के लिए आवेदन शुरू

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से विभिन्न विभागों में सीनियर रेजिडेंट (गैर शैक्षणिक) के पदों के लिए 82 रिक्तियों को भरने के लिए अधिसूचना जारी की है। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एम्स की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। वॉक-इन-इंटरव्यू शुक्रवार, 23 अगस्त को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आयोजित किया जाएगा। हालांकि, अगले वॉक-इन-इंटरव्यू की तारीख एम्स रायपुर की आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित की जाएगी।

एम्स रायपुर भर्ती 2024: ग्रेड पे स्नातकोत्तर चिकित्सा डिग्री, अर्थात। मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से संबंधित विषय में एमडी/एमएस/डीएनबी/डिप्लोमा, चयनित होने पर ज्वाइन करने से पहले डीएमसी/डीडीसी/एमसीआई/राज्य पंजीकरण अनिवार्य है। एम्स रायपुर भर्ती 2024: पदों की संख्या अनारक्षित: 17 अन्य पिछड़ा वर्ग: 29 अनुसूचित जाति: 22 अनुसूचित जनजाति: 08 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग: 06 (पीडब्ल्यूबीडी के 3 पदों सहित) उम्मीदवारों को सुबह 09.30 बजे से 10.30 बजे के बीच रिपोर्ट करना आवश्यक है। आधिकारिक अधिसूचना में लिखा है: आयु और अन्य योग्यता/अनुभव वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथि के अनुसार गिने जाएंगे। एम्स रायपुर पोस्ट ग्रेजुएट जूनियर रेजिडेंट जिन्होंने अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की है।

तीज पर आर्डर किया पनीर टिक्का, घर पहुंचा चिकन, होटल में मचा जमकर बवाल

बहरोज बिरियानी सेंटर में ऑनलाइन किया था फुड ऑर्डर, गलत डिलवरी के बाद मैनेजर ने मांगी माफी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में पनीर टिक्का की जगह ऑनलाइन चिकन की डिलीवरी कर दी गई। इसके बाद लोग रेस्टोरेंट पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। बताया जा रहा है कि मामला शांत नहीं होने पर रेस्टोरेंट संचालकों ने ग्राहकों पर राजनीतिक दबाव डलवाया। इस पूरे मामले का एक वीडियो सामने आया है जिसमें चिकन फुड देखा जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक, स्थानीय निवासी सुनील राउत के परिवार में महिलाएं तीज के दिन उपवास थीं। इस पर उन्होंने बाकी सदस्यों के लिए जोमैटो से पनीर टिक्का ऑर्डर किया। बहरोज बिरियानी सेंटर से जब पार्सल घर पहुंचा तो उसमें चिकन निकला। इस पर घर की महिलाओं ने चिल्लाना शुरू कर दिया। महिलाओं का कहना है कि, कंपनी के कर्मचारियों ने उनका धर्म भ्रष्ट कर दिया। घर में त्योहार के दिन नॉनवेज देखकर बाकी लोग भी भड़क गए। इसके बाद परिवार के लोग नवानी रोड स्थित बेहरोज किचन सेंटर पहुंच गए। बेहरोज किचन सेंटर में परिवार के लोगों ने जमकर हंगामा मचाया।

बात बढ़ती देख रेस्टोरेंट के मैनेजर अकबर खान ने गलती के लिए माफी मांगी। इसके बाद भी लोग भड़के हुए थे। बताया जा रहा है कि माहौल को शांत कराने के लिए मैनेजर ने कुछ राजनीतिक लोगों से भी ग्राहक पर दबाव डलवाया। बेहरोज बिरियानी से आए पार्सल में ग्रीन सिंबल बना था। यह सिंबल वेज खाद्य पदार्थ के लिए उपयोग होता है। वहीं, नॉनवेज के लिए रेड सिंबल यूज किया जाता है। बिल पर पनीर टिक्का मसाला और केक लिखा हुआ है, लेकिन पार्सल के डिब्बे में चिकन रखा था।

ग्राहक ने बताया कि, वे लोग हिंदू परिवार से आते हैं। 6 सितंबर को घर की सभी महिलाएं तीज उपवास थी। सुबह से पानी तक नहीं पिया था। इसलिए दाल और चावल घर पर बना लिया। सोचा कि कुछ सब्जी बाहर से मंगवा लेते हैं। इसलिए जोमैटो के जरिए बेहरोज किचन से पनीर टिक्का का ऑर्डर किया था। शिकायतकर्ता का कहना है कि, ऐसे रेस्टोरेंट और किचन संचालकों पर खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। अचानक छापेमारी कर देखना चाहिए कि, वेज और नॉनवेज का काउंटर और स्टोरेज पैकिंग अलग-अलग है या नहीं। बेहरोज में भी वेज-नॉनवेज सेक्शन को अलग-अलग नहीं किया गया है। इसीलिए उसने वेज की जगह दूसरे के नॉनवेज ऑर्डर को भेज दिया। इस पर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

खास खबर

अंतिम संस्कार में गए परिवार के घर पर चोरी, सुने मकान में घुसे 4 चोर और ले गए जेवर

रायपुर। राजधानी में अंतिम संस्कार में शामिल होने गए एक परिवार के घर चोरी हो गई है। 4 चोरों ने कैश और जेवर घर में खड़ी कार में भरा, फिर कार लेकर भाग गए। अब पुलिस ने 2 चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र का है।

बसंत विहार कॉलोनी में मंजुलता पाटस्कर अपने परिवार के साथ रहती है। 2 सितंबर की रात परिवार अपने एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था। अगले दिन सुबह पड़ोसी ने फोन कर बताया कि, घर का ताला टूटा हुआ है। परिवार के लोग जब घर पहुंचे तो अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। कमरे के अंदर रखी अलमारी खुली हुई थी। उसमें रखा सोने का मंगलसूत्र झुमका, टॉप्स, अंगूठी, पायल और करीब 75 हजार कैश गायब थे। गुढ़ियारी पुलिस ने जांच कर दो आरोपियों की पहचान की। इस मामले में पुलिस ने खमतराई के रहने वाले गजेंद्र साहू और राकेश देवदास को गिरफ्तार किया है। आरोपी गजेंद्र साहू पर खमतराई थाने में हाफमर्डर, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। इसके अंलावा राकेश देवदास पर भी हाफमर्डर का केस दर्ज है। इस मामले में फिलहाल दो आरोपी फरार है।

दुर्ग में सूने मकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने सुपेला थाना क्षेत्र के लक्ष्मी नगर वार्ड 9 दुर्ग पारा में लाखों रुपए की चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2.10 लाख रुपए कीमत के सोने चांदी के जेवरात को जब्त किया है।

एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि खेमलाल साहू नाम के युवक ने 6 सितंबर को सुपेला थाने में चोरी का मामला दर्ज कराया था। उसने बताया कि वो अपने परिवार के साथ खैरागढ़ गया था। उसी दौरान अज्ञात आरोपी उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने चांदी का जेवरात चोरी कर लिया है। इसके बाद पुलिस ने घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि एक व्यक्ति दुर्गा पारा लक्ष्मी नगर में सोना चांदी बिक्री करने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलते ही सुपेला पुलिस की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी करके संदेही को पकड़ा। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम कुर्बान अली निवासी दुर्गा पारा लक्ष्मी नगर सुपेला बताया। उनसे बताया कि वही खेमलाल साहू के घर से घुसा था और सोने चांदी का जेवरात चोरी कर ले गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से सोने चांदी के जेवरात जब्त किया है। इसके बाद आरोपी कुर्बान अली को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में केन्द्रीय जेल भेजा गया है।

गौवंश को बूचड़खाने ले जाने की थी तैयारी, आधी रात पहुंच गई पुलिस

जशपुर के ग्राम डड़गांव में पुलिस ने मारी रेड, 15 मवेशियों को बचाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। झारखंड की सीमा से लगे होने के कारण छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के सीमावर्ती गांवों से गौतस्करी की लगातार शिकायतें मिलती है। इसे रोकने के लिए जशपुर एसपी शशिमोहन सिंह द्वारा ऑपरेशन शंखनाद शुरू किया गया। इसके तहत पशु तस्करी के लिये कुख्यात सीमावर्ती ग्राम डड़गांव में बीती रात्रि में जशपुर पुलिस ने रेड की और पशु तस्करों के ठिकानों 15 गौवंश को मुक्त कराया गया। पुलिस ने एक आरोपी अकिल कुरैशी गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपी फरार हैं। आरोपी से तस्करी में प्रयुक्त कार टाटा नेक्सन को भी जब्त किया है। जशपुर पुलिस द्वारा ऑपरेशन शंखनाद के तहत अब तक कुल 469 गौ-वंश को मुक्त कराते हुये कुल 49 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी, एसडीओपी जशपुर चंद्रशेखर परमा के नेतृत्व में पशु तस्करी करने की सूचना के आधार पर पुलिस की चार टीमों ने शुक्रवार की रात को जशपुर-झारखंड प्रांत के सीमावर्ती ग्राम डड़गांव रेड की। गौ-तस्करों के ठिकानों पर एक साथ चारों तरफ से घेराबंदी कर दबिश दिया गया। 15 गौवंश को मुक्त कराते हुए उन्हें सुरक्षार्थ रखवाया गया है, एवं आरोपी अकिल कुरैशी निवासी डड़गांव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त कार टाटा नेक्सन क्र. ष्टत्र 14 स्न्क्र 9868 को जब्त किया गया है। पुलिस टीम के आने के पूर्व तस्कर इसी कार से रेकी करता था।

रेड के दौरान पुलिस से उलझी गांव की महिलाएं

दबिश कार्यवाही के दौरान गांव की महिलायें पुलिस से उलझ गई, महिला पुलिस के सख्त तेवर से ग्रामीण महिलायें के तेवर ढीले पड़ गये। पुलिस की बड़ी कार्यवाही से अज्ञात तस्कर गांव छोड़कर भाग गये, पुलिस द्वारा उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने सख्त तेवर से समझाते हुये चेताया कि पशु तस्करी का अपराध छोड़कर अन्य काम-धंधे में लिप्त हो जाये, नहीं तो इसका अंजाम पूरा गांव भुगतेगा। यह ग्राम सीमावर्ती झारखंड से लगा हुआ है एवं ग्राम में समुदाय विशेष के लोगों की संख्या अधिक है। पुलिस के सख्त कार्यवाही से पशु तस्करों में व्यापक प्रभाव पड़ा है।

ऑपरेशन शंखनाद के तहत की गई कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि जशपुर पुलिस द्वारा बीती रात्रि में ग्राम डंड़गांव में ऑपरेशन शंखनाद चलाते हुए 15 नग गौ-वंश को मुक्त कराया गया है। साथ ही तस्कर अकिल कुरैशी को गिरफ्तार कर उससे तस्करी में प्रयुक्त कार को जप्त किया गया है। तस्करी के अन्य आरोपीगण फरार है, पतासाजी जारी है। आने वाले दिनों में वृहद स्तर पर इस तरह की कार्रवाई की जायेगी एवं जिले को पशु तस्करों से पूर्णतः मुक्त कराया जायेगा।उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक राकेश यादव, थाना प्रभारी आस्ता उप निरीक्षक संतोष सिंह, चौकी प्रभारी मनोरा जय सिंह मिर्रे सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

12 लाख रुपए की सिगरेट चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

■ चोरी की सिगरेट बेचकर स्कूटी और होटल का सामान खरीदा, एक आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। कोतवाली पुलिस ने 12 लाख 67 हजार के सिगरेट चोरी का शनिवार को खुलासा किया है। कांकेर में स्थित श्री राम एजेंसी में 19 अगस्त की रात को टिन का छत तोड़कर दुकान में रखे 12 लाख के सिगरेट की चोरी हुई थी। चोरी की सिगरेट को ओडिशा राज्य में बेचकर होटल का समान और नई स्कूटी चोरों ने खरीदी थी। तीन आरोपियों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और एक की तालाश जारी है।

कांकेर कोतवाली टीआई मनीष नागर ने बताया कि कांकेर नगर के माहुरबन्द पारा में स्थित श्री राम एजेंसी के संचालक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान से चार कार्टून सिगरेट की चोरी हुई है, जिसकी कीमत 12 लाख के करीब थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर सीसीटीवी खंगाले। इसके बाद एक संदेही की पहचान हुई। संदेही पहले भी अन्य आरोपों में जेल में रह चुका है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी महासमुंद जिले के पिथौरा का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया और चोरी किए सिगरेट को ओडिशा के पंकज साहू नामक व्यक्ति को तीन लाख 80 हजार में बेचने की बात कबूल की है। सिगरेट बेचकर जो रुपये मिले, उससे आरोपी ने अपने साले संतराम निराला के लिए एक स्कूटी, होटल का सामान (कुर्सी, टेबल, कॉउंटर, बर्तन, चूल्हा, पंखा, लाइट और अन्य) खरीदा। समान भी अपने साले के यहां छुपा के रखाथा। बरहाल कांकेर पुलिस ने चोरी के आरोपी यादराम पटेल, संतराम निराला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, ओडिशा में सिगरेट खरीदने वाला पंकज साहू फरार है।

अस्पताल में आत्महत्या का प्रयास, सुरक्षाकर्मियों ने मरीज को काफी मशक्कत के बाद नीचे उतारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के ओडिसा मार्ग में स्थित गुरू घासीदास मेडिकल कालेज अस्पताल में शुक्रवार की दोपहर उस समय अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। जब अस्पताल के तीसरी मंजिले में भर्ती एक मरीज ने कुदकर आत्महत्या कर प्रयास किया।

मिली जानकारी के अनुसार चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ओडिसा मार्ग में स्थित गुरू घासीदास मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती एक मरीज ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा मचाया। बताया जा रहा है कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नही है जिसकी वजह से परिजनों के द्वारा उसे यहां भर्ती कराया गया है।

इस दौरान युवक ने शुक्रवार की दोपहर तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की लेकिन गनीगत रही कि वह बीच में अटक गया जिसके बाद वह किसी तरह पहली मंजिल में पहुंचा और यहां भी उसने उत्पात मचाते हुए कांच की खिड़की को तोडकर आत्महत्या करने की कोशिश करता। युवक को हंगामा करते मौके पर मौजूद अस्पताल के सुरक्षा प्रहरी और अन्य लोग देखते रहे और इस दौरान कई लोगों ने इसका वीडियो भी बना लिया। करीब आधे घंटे बाद मेडिकल कालेज अस्पताल के गार्डो ने साहस दिखाते हुए उपर चढ़कर युवक को पकड़कर नीचे उतारा तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

फांसी के फंदे पर लटका मिला गार्ड की पत्नी का शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के सीएसईबी कॉलोनी पथरीपारा में सीएसईबी कॉलोनी में एक महिला का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला है। आज सुबह जब पति कमर में पत्नी का लटका शव देखा तो उसने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला की पहचान कमलाबाई (40) के रूप में हुई है। उसने यह कदम क्यों उठाया इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है।

मृतक महिला का पति तांतीराम आबकारी विभाग का गार्ड है और बालको रोड स्थित रामपुर शराब दुकान पर कार्यरत है। बताया गया कि घर में कुल चार लोग रहते हैं। पति-पत्नी रात को कमरे में सोए हुए थे। रविवार की सुबह पति की नींद खुली तो उसने पत्नी को आवाज दी। कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो पीछे से जाकर कमरे का जायजा लिया। तब मालूम हुआ कि वह फांसी के फंदे पर लटकी है।

तांतीराम ने बताया कि पिछले कुछ सालों से वो रामपुर स्थित शराब दुकान में गार्ड की नौकरी करता है। शनिवार की रात जब वो काम कर घर वापस लौटा तो दोनों ने एक साथ खाना खाया उसके बाद कमरे में सोने चले गया। उन्होंने काफी देर तक परिवार के बारे में बात की। सुबह जब पति उठा तो पत्नी वहां नहीं थी। जिसके बाद उसने बाहर आंगन में आकर देखा तो उसके होश उड़ गए। घर के आंगन में पाइप में वह साड़ी से फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी।

पति ने बताया कि पिछले तीन महीने से पत्नी का व्यवहार अचानक से बदल गया था। वह अक्सर मोबाइल पर धार्मिक चीज देखती थी और घर से बाहर नहीं निकलती थी। बाहर जाने पर वो कहती थी कि उसे पसंद नहीं है। महिला का शव फांसी के फंदे पर लटके होने की जानकारी मिलने पर सिविल लाइन पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना से जुड़े कारणों के बारे में जांच की जा रही है। पूछताछ और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में आगे जांच पड़ताल करेगी।

सड़क किनारे खड़े मासूम को अज्ञात ट्रैक्टर ने कुचला, इलाज के दौरान मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। भूपेदवपुर थाना क्षेत्र में अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े एक मासूम को कुचल दिया। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है।

भूपेदवपुर थाना क्षेत्र निवासी बुजुर्ग सुंदर लाल पटेल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका बड़ा बेटा अनिल कुमार पटेल बाइक से अपने बेटे ब्रजेश पटेल (14) को लेकर खेत गया था। इस दौरान बाइक को सड़क किनारे खड़ी कर दिया। इसी बीच एक अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने उसे रौंद दिया। ट्रैक्टर की टक्कर से घायल ब्रजेश का दाहिना पैर, सीना, पीट, रीढ़ की हड्डी, मुंह और सिर में गंभीर चोट लगी थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए, जहां प्रारंभिक उपचार के दौरान

ही मौके पर मौजूद डाक्टरों ने उसे राजधानी रायपुर रेफर कर दिया। रायपुर पहुंचते ही वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े मासूम को कुचलकर मौत के घाट उतारने वाला अज्ञात आरोपी ट्रेक्टर घटना के बाद से फरार हो गया है। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आए खेत में काम कर रहे एक परिवार के तीन लोग, एक की मौत और दो की हालत गंभीर

कोरबा। उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पचपेड़ी में तीन लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। इस दौरान एक शख्स की मौत हो गई। वहीं, दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों का अस्पताल में इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि तीनों एक ही परिवार के थे और खेत में काम कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार, फूल दास (30) और उसकी पत्नी किरण महंत और उसके पिता रामदास तीनों खेत में काम करने गए हुए थे। दोपहर 3:30 बजे लगभग अचानक मौसम का मिजाज बदला और काली घटा छाने लगी। इसके बाद झमाझम बारिश और आकाशीय बिजली शुरू हो गई। आकाशीय बिजली की चपेट में आने

से तीनों खेत में ही गिर गए, जहां फूल दास की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं किरण महंत और रामदास गंभीर रूप से घायल हो गया।

आसपास कम कर रहे खेत में लोगों की नजर पड़ी जहां दौड़कर मौके पर पहुंचे और तीनों को पहले घर लेकर आए। यहां किरण और रामदास को नजदीकी चापा अस्पताल के लिए रवाना किया गया। इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

//कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग//
-:: मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-
क्रमांक/ज0प्र0वि0/2024-25/ 17 दुर्ग, दिनांक 5/09/2024

नगर पालिक निगम, दुर्ग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नॉन एस.ओ.आर. दर पर निम्नांकित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से निम्नांकित तिथि को निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 12/09/2024
निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि - 19/09/2024
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 26/09/2024
निविदा खोलने की तिथि - 27/09/2024
शाम 4.30 बजे

क0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रुपये लाख में
1.	Schedule for supply & Installation of water purifier RO PLANT & Maintenance complete at WARD NO. 45 Padmnabhpur durg.	रू. 3,00,000/-

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http// eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइड www.municipal corporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

चक्रधर समारोह में सीएम साय की बड़ी घोषणा : रायगढ़ में होगी संगीत महाविद्यालय की स्थापना

सीएम साय ने कहा- संगीत सम्राट महाराज चक्रधर सिंह ने शास्त्रीय कला संगीत को दी विश्व में नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। संगीत एवं कलाधानी नगरी रायगढ़ में शनिवार को 39वें चक्रधर समारोह का भव्य एवं रंगारंग आगाज हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 10 दिन तक चलने वाले इस समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि संगीत सम्राट महाराज चक्रधर ने शास्त्रीय कला संगीत को विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। उन्होंने स्थानीय कला संस्कृति के साथ-साथ पारंपरिक विरासत को सहेजने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस मौके पर रायगढ़ में संगीत महाविद्यालय प्रांरभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने संगीत और कला के क्षेत्र में योगदान देने वाले संगीत के मर्मज्ञ विद्वतजनों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर रायगढ़ के शैल चित्रों पर आधारित अभिलेखीकरण पुस्तिका एवं चक्रधर समारोह की परिचय पुस्तिका का विमोचन किया।

सीएम साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गारंटी को सायं-सायं पूरा कर रही है। उन्होंने प्रदेश के किसानों, गरीबों सहित सभी वर्गों का आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य के प्रगति के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विगत पांच सालों में चक्रधर समारोह का आयोजन फीका पड़ गया था, अब रायगढ़ के विधायक और हमारे सरकार में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी की पहल से चक्रधर समारोह के आयोजन को और बेहतर तथा भव्य स्वरूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने भरपूर खनिज संपदा से नवाजा है। यहां हीरा, कोयला, लोहा का भरपूर भंडार है, यहां की धरती में भरपूर उर्वरा शक्ति है। मेहनतकश किसान और हम सब मिलकर छत्तीगसढ़ को कृषि प्रदेश बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

सीएम साय ने कहा कि हमारी सरकार ने किए गए वायदे के अनुरूप प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए के भाव से खरीदने का वायदा पूरा किया। तेन्दूपत्ता का पारिश्रमिक दर प्रति मानक बोरा 4000 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए किया गया। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को उनके खाते में राशि अंतरित करने का काम कर रही है। श्रीरामलला दर्शन योजना से यहां के लोगों को प्रभु श्रीराम का दर्शन करने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अभी दो दिन पहले ही छत्तीसगढ़ को साढ़े आठ लाख से अधिक परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की है, हम इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने चक्रधर समारोह को नये स्वरूप में भव्य और आकर्षक रूप में आयोजित करने के लिए संस्कृति एवं पर्यटन विभाग को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्री विनय पाण्डेय द्वारा ब्राम्हीलिपि एवं खरोष्ठी लिपि में अनुसंधान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। श्री पाण्डेय द्वारा इस मौके पर मुख्यमंत्री को ब्राम्ही लिपि में

लिखी नाम पट्टिका भेंट की गई।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार ने कहा कि महाराज चक्रधर ने रायगढ़ घराना के कला संगीत को संजोकर रखा है। उन्होंने कला संगीत को देश और दुनिया में एक नई ऊचाई देने का काम किया है। उनके इस योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि सम्राट चक्रधर शास्त्रीय कला संगीत के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान कर कला संस्कृति को एक नया आयाम दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की कला संस्कृति, यहां की विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए तत्परता से काम कर रही है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने चक्रधर समारोह के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा चक्रधर समारोह को एक भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा और आज उसे जिला प्रशासन, संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग के सहयोग से आज भव्य स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में देश के प्रतिष्ठित आठ पद्मश्री कलाकार भाग लेने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चक्रधर समारोह की महत्ता अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश के विभिन्न प्रांतों के नामी-गिनामी कलाकार यहां अपनी प्रस्तुति देने की अभिलाषा रखते हैं। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए जिला प्रशासन सहित आयोजकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर राज्यसभा सांसद कुंवर देवेन्द्र प्रताप सिंह, रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, राजपरिवार के उर्वशी सिंह, बिजया सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ में प्रयास आवासीय विद्यालय का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के गढ़उमरिया में शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय का विधिवत शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों को आह्वान किया कि वह जीवन में सफलता के लिए बड़े सपने देखे और उसको साकार करने के लिए पूरे मनोयोग से जुट जाएं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि रायगढ़ जिले का यह प्रयास आवासीय विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में मिसाल कायम करेगा। इस मौके पर कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री राम विचार नेताम,वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि शिक्षा के बिना जीवन

अधूरा है। छत्तीसगढ़ में विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिले और वह आगे बढ़े, इसको लेकर हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। शिक्षा के नित नए संस्थान प्रारंभ किए जा रहे है। रायगढ़ में प्रयास आवासीय विद्यालय का शुभारंभ भी हमारे इन्हीं प्रयासों की एक कड़ी है। हमने राज्य में नई शिक्षा नीति 2020 को लागू किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पूरे देश में शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए प्रयासरत है। पीएम श्री स्कूल योजना के माध्यम से शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। राज्य में 263 स्कूलों को पीएमश्री योजना में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रयास आवासीय विद्यालय के प्रवेशित विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का भी वितरण किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कहा कि राज्य के नौनिहाल पीढ़ी के भविष्य निर्माण हेतु छत्तीसगढ़ सरकार बेहतर व्यवस्था कर रही है। गणेश चतुर्थी के दिन प्रयास विद्यालय का उद्घाटन हमारे लिए मिसाल है। इसका लाभ इस जिले के विद्यार्थियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि बोर्ड की परीक्षा में प्रयास विद्यालय के 7 बच्चें टॉप किए हैं। जीवन लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार एवं केन्द्र सरकार के समन्वित प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम सब के लिए यह गर्व का विषय है कि छत्तीसगढ़ का रायपुर देश का इकलौता शहर है जहां एनआईटी, एम्स, आईआईटी, ट्रिपलआईटी, एचएनएलयू, मेडिकल कॉलेज, आईआईएम, जैसे महत्वपूर्ण संस्थान है। गौरतलब है कि शिक्षा के क्षेत्र में उच्च स्तरीय गुणवत्ता तथा उत्कृष्टता का प्रतीक माने जाने वाले प्रयास आवासीय विद्यालय की स्थापना शिक्षा सत्र 2024-25 अंतर्गत रायगढ़ जिले में की गई है। यह विद्यालय गढ़उमरिया स्थित लाइवलीहुड कॉलेज के भवन में संचालित होने जा रहा है। विद्यालय में प्रवेश हेतु राज्य स्तर पर की गई काउंसलिंग पश्चात कुल 96 विद्यार्थियों में 49 बालक एवं 47 बालिकाओं को प्रवेश दिया गया है।

व्यक्तिमूलक योजनाओं का सभी को मिलेगा लाभ

मुख्य सचिव ने नियद नेल्ला नार योजना की प्रगति की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने यहां मंत्रालय, महानदी भवन में बस्तर संभाग के कांकेर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बीजापुर और सुकमा जिले में शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार योजना के तहत वहां के निवासियों को मिल रही बुनियादी सुविधाओं की गहन समीक्षा की। श्री जैन ने नक्सल प्रभावित जिले मोहला-मानपुर-चौकी, गरियाबंद और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई सहित अन्य नक्सल प्रभावित जिलों में केन्द्र और राज्य सरकार की चयनित योजनाओं के अंतर्गत शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव श्री जैन ने बैठक में नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत आने वाले गांवों में लोगों की सभी बुनियादी सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों का डॉटा रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सुविधा प्रदान करने वाले सभी विभागीय सचिवों के पास कार्ययोजना एवं दी जा रही सुविधाओं की सभी जिलों में प्रत्येक घर की अद्यतन जानकारी होना चाहिए। मुख्य सचिव ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को योजना क्षेत्र के गांवों में सभी हितग्राहियों को राशन कार्ड पर चावल, गुड़, चीनी, चना इत्यादि सामग्री अनिवार्य रूप से मिले, इसकी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने बस्तर संभागायुक्त को नियद नेल्ला नार योजना की सतत निगरानी करने को कहा।

मुख्य सचिव ने बैठक में सामूहिक एवं व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टा, 500 यूनिट मुफ्त बिजली, किसान सम्मान निधि, कृषि उपकरण, सिंचाई सोलर पंप और किसानों के खेतों में बोरवेल की सुविधा के बारे में कलेक्टरों से जानकारी ली। उन्होंने हाई मास्ट लाइट स्थापना, उज्जवला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन, नि:शुल्क सामग्री, पेयजल, नल से जल, जल जीवन मिशन, कौशल विकास प्रशिक्षण, खेल सामग्री, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास, बारहमासी सड़कों की सुविधा, पीएम किसान सम्मान निधि तथा आयुष्मान कार्ड सहित मोबाइल कनेक्टिविटी और बैंक एटीएम सुविधा की भी जानकारी ली। उन्होंने योजनांतर्गत आने वाले गांवों में आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों और स्कूल भवनों की स्थिति और लघु वनोपज की खरीदी सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की भी विस्तार से समीक्षा की। श्री जैन ने बैठक में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया और मोबाइल टॉवर के कार्यों की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने एमओआरटी वार्षिक योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। मुख्य सचिव ने राज्य के सभी नक्सल प्रभावित जिलों में केन्द्र एवं राज्य सरकार की चयनित व्यक्तिमूलक योजनाओं से शत-प्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए योजनाबद्ध कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ितों को विभिन्न योजनाओं में सेचुरेशन करने और स्किल डेवलपमेंट के संबंध में व्यापक कार्ययोजना तैयार कर कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने नए सुरक्षा कैंप क्षेत्रों में भी वहां के निवासियों के लिए योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं का सेचुरेशन कर लाभार्थियों का सर्वे कर शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने को कहा। मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में गृह एवं जेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, कृषि विभाग की सचिव श्रीमती शहला निगार, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक, बस्तर के संभागायुक्त डोमन सिंह तथा बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पी. सहित कांकेर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा, कोण्डागांव, गरियाबंद, मोहला-मानपुर-चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले में अनेक विकास कार्यों की दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम श्रृंगारपुर, गुलालपुर और गांगपुर ग्रामीणवासियों से भेंट मुलाकात कर सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने उनकी मांग, समस्या और शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके अनेक मांगों को तत्काल पूरा करते हुए विकास कार्यों की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामवासियों की मांग पर विभिन्न विकास कार्यो की सौगात दी।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम गुलालपुर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए और गांव के विकास के लिए सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। ग्राम गांगपुर में सीसी रोड निर्माण के लिए 7 लाख रुपए, उचित मूल्य दुकान के पास हैंड पंप, फ्लोरिंग के लिए 3 लाख रुपए, किचन शेड के लिए 1 लाख 50 हजार रुपए, आश्रित ग्राम सोनपुर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 7 लाख रुपए की घोषणा की और मनरेगा के तहत पुलिया निर्माण के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने ग्राम श्रृंगारपुर में शीतला मंदिर में बाउंड्री वॉल, हाई मास्क लाईट और सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामवासियों से कहा कि गांव के विकास के लिए प्रदेश की सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए अनेक योजनाएं भी संचालित की जा रही है। जिससे गांव का आर्थिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि गांव का विकास तभी संभव है जब गांव के लोग सक्रिय रूप से उसमें भाग लें।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए निरंतर काम कर रही है और इसके लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उप मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों से आग्रह किया कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर गांव के विकास में अपना योगदान दें और सरकार के प्रयासों का साथ दें। उन्होंने कहा कि गांव के समग्र विकास के लिए सभी ग्रामीणों को मिलकर प्रयास करना होगा। सरकार की योजनाएं तभी सफल होंगी जब गांव के लोग स्वयं भी आगे बढ़कर उनमें भागीदारी करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सुधार करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, और इसके लिए जरूरी संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि गांव की शांति वहां की सबसे बड़ी संपत्ति है, जिसे बचाए रखना आवश्यक है। उन्होंने गांव के लोगों से आग्रह किया कि वे आपसी सहयोग और एकजुटता के साथ मिलकर गांव के विकास में योगदान दें। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि गांव का सामूहिक सहयोग और सौहार्द्र ही उसे आगे बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि गांव में सब मिलकर साथ दे और गांव के विकास के लिए सहयोग करे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950